Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
वर्ष : 3 अंक : 122 पृष्ठ : 8 मुल्य: 5:00 रायपुर, शनिवार 02 मई, 2026 www.sakarbharat.com

घर में खुशहाली बनाए रखने के लिए सबसे पहले सकारात्मक सोच और आपसी सम्मान जरूरी है। सुबह उठते ही ईश्वर का स्मरण करें और घर को साफ-सुथरा रखें। रोज थोड़ा समय परिवार के साथ बैठकर बातचीत करें, इससे आपसी समझ मजबूत होती है। घर में नियमित दीपक या अगरबत्ती जलाने से वातावरण शुद्ध और शांत रहता है। जरूरतमंदों की सहायता करने से भी घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आपसी मतभेद होने पर शांतिपूर्वक बातचीत से समाधान निकालें। सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ भोजन करना और हँसी-मजाक करना रिश्तों को मजबूत बनाता है।

कॉल करें: 9770440000
अब समय है अपने भविष्य को संवारने का!

आठ बार विधायक से सांसद तक का सफर, जन्मदिन पर दिखा बृजमोहन अग्रवाल का जनाधार

गुरुचरण सिंह होरा बोले- बृजमोहन भैया जैसा कोई जननेता नहीं, जन्मदिन पर खास मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जब प्रदेश के सबसे लोकप्रिय नेताओं में शुमार सांसद बृजमोहन अग्रवाल का जन्मदिन पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही उनके निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। कार्यकर्ता, समर्थक और प्रदेशभर के दिग्गज नेताओं का हुजूम उमड़ पड़ा।

देश-प्रदेश से शुभकामनाओं की बौछार के बीच राजधानी रायपुर मानो जश्न में डूब गई। जगह-जगह उनके समर्थकों ने केक काटे, मिठाइयाँ बांटी और आतिशबाजी कर अपने प्रिय नेता के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। इस खास मौके पर ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा भी मौलश्री विहार स्थित उनके निवास पहुंचे। उन्होंने सांसद अग्रवाल को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य व दीर्घायु की कामना की।

सांसद अग्रवाल ने भावुक होते हुए कहा, 'यह सब जनता का प्यार है, जिसने मुझे यहां तक पहुंचाया है। मैं आज भी खुद को एक सामान्य भाजपा कार्यकर्ता मानता हूं। मेरे कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता और मार्गदर्शकों का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मैं सभी का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।'

वहीं गुरुचरण सिंह होरा ने कहा कि, 'बृजमोहन भैया से हमारे पारिवारिक संबंध हैं। उनकी सादगी, मिलनसारिता और जनता के प्रति समर्पण उन्हें खास बनाती है। वे पहले जैसे थे, आज भी वैसे ही हैं—लोगों के दिलों में बसने वाले नेता है। सिख समाज की ओर से हम उन्हें जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं देते हैं और उनके स्वस्थ व दीर्घ जीवन की कामना करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि, 'छत्तीसगढ़ में बृजमोहन अग्रवाल की तरह कोई दूसरा नेता नहीं है। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय में कैबिनेट के मंत्री रहे, आठ बार चुनाव जीतकर विधायक और मंत्री बनना, और अब सांसद बनकर छत्तीसगढ़ का नाम देशभर में रोशन करना आसान नहीं है। यह सब हमारे बृजमोहन भैया की मेहनत, समर्पण और जनता के प्रति सच्ची सेवा का परिणाम है। चाहे प्रदेश में मंत्री रहते हुए काम हो या अब सांसद के रूप में जिम्मेदारी हर भूमिका में उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास को प्राथमिकता दी है। संसद में जोरो शोरों से प्रदेश के हित में आवाज उठा रहे है।

बृजमोहन भैया ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी भी जनता से दूरी नहीं बनाई। वे हर सुख-दुख में लोगों के साथ खड़े रहते हैं। जो उनके पास आता है खाली हाथ नहीं लौटता, भैया सभी की मदद करते है। यही वजह है कि आज उन्हें इतना अपार जनसमर्थन मिलता है।

बृजमोहन भैया हर वर्ग युवा, किसान, व्यापारी, अमीर और गरीब सभी के नेता हैं। 'उन्होंने हमेशा सबको साथ लेकर चलने की राजनीति की है। यही वजह है कि आज उनके जन्मदिन पर यह जनसैलाब उमड़ा है।

मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण हेतु विशेष सत्रः एक तिहाई आरक्षण के संकल्प को मिला व्यापक समर्थन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा है कि मातृशक्ति उनके लिए केवल सम्मान का विषय नहीं, बल्कि सृजन, संस्कार और सामर्थ्य की आधारशिला है। इसी भावना के साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर एक दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें संसद एवं देश की सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने के संकल्प पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की जो मजबूत नींव रखी गई है, उसी क्रम में उनकी राजनीतिक भागीदारी को भी सशक्त करना हमारा अगला महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण विषय पर विशेष सत्र आयोजित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सदैव याद रखी जाएगी।

हॉकी एवं एथलेटिक्स अकादमी में चयन के लिए ट्रायल में शामिल हुए 540 खिलाड़ी

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए आज हाकी और एथलेटिक्स के कुल 540 खिलाड़ियों ने हिस्सेदारी की। विभाग द्वारा रायपुर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में आयोजित चयन ट्रायल के तीसरे दिन आज छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

चयन ट्रायल में हॉकी के 111 बालिका और 173 बालक सहित 284 खिलाड़ी, तथा एथलेटिक्स के 87 बालिका एवं 169 बालक सहित 256 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। अकादमी में प्रशिक्षण के लिए इन खिलाड़ियों का चयन मोटर एबिलिटी एवं खेल कौशल के आधार पर किया जाएगा। चयन ट्रायल के आखिरी दिन 1 मई को सुबह 7 बजे से अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पिच-2 में हाकी खिलाड़ियों के और स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में एथलेटिक्स के खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सरकार का 'सुशासन तिहार' शुक्रवार से शुरू

1 मई से 10 जून तक चलेगा अभियान, पहले दिन 14 जिलों में समाधान शिविर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं को जल्दी और सीधे तरीके से सुलझाने के लिए आज से 'सुशासन तिहार 2026' की शुरुआत हो गई है। ये अभियान 10 जून तक पूरे प्रदेश में चलेगा। इस दौरान गांव और शहर दोनों जगह बड़े पैमाने पर शिविर लगाए जाएंगे, जहां लोग अपनी शिकायतें सीधे अधिकारियों के सामने रख सकेंगे।

सरकार का फोकस इस बार साफ है, लंबित मामलों को जल्द निपटाना और लोगों को दफ्तरों के चक्कर से राहत देना। इसी को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा है कि लोगों को आसान, पारदर्शी और तेज सेवाएं देना ही प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

1 मई से 10 जून के बीच अलग-अलग जगहों पर समाधान शिविर लगाए जाएंगे। गांवों में 15 से 20 पंचायतों को मिलाकर शिविर होंगे, जबकि शहरों में वार्ड के हिसाब से आयोजन किया जाएगा।

इन शिविरों में मौके पर ही आवेदन लिए जाएंगे और जहां संभव होगा, वहीं समाधान या लाभ भी दिया जाएगा। कोशिश यह रहेगी कि हर आवेदन का निपटारा एक महीने के भीतर हो जाए। साथ ही लोगों को यह भी बताया जाएगा कि उनका आवेदन किस स्थिति में है।

प्रदेशभर में लगेंगे समाधान शिविर

सुशासन तिहार के तहत 1 मई से 10 जून तक अलग-अलग जगहों पर समाधान शिविर लगाए जाएंगे—

ग्रामीण क्षेत्रों में 15-20 ग्राम पंचायतों के समूह में शिविर

शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर आयोजन

मौके पर ही आवेदन स्वीकार करने और लाभ वितरण की व्यवस्था

अधिकतम एक माह के भीतर आवेदनों के निराकरण का लक्ष्य

इस पूरे अभियान में जनप्रतिनिधियों की भी भागीदारी रहेगी। मंत्री, सांसद, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी समय-समय पर शिविरों में पहुंचकर व्यवस्थाएं देखेंगे और लोगों से सीधे बात करेंगे।

मुख्यमंत्री साय खुद भी अलग-अलग जिलों का दौरा करेंगे। वे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण करेंगे, हितग्राहियों से फीडबैक लेंगे और जिला स्तर पर समीक्षा बैठकें भी करेंगे। इसके बाद वे मीडिया के जरिए अभियान की प्रगति साझा करेंगे और लोगों से सुझाव भी लेंगे।

पहले चरण में लंबित मामलों के निराकरण पर फोकस

नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे राजस्व प्रकरण
मनरेगा के लंबित मजदूरी भुगतान
हितग्राहीमूलक योजनाओं के बकाया भुगतान
आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र से जुड़े मामले
बिजली, ट्रांसफार्मर और पेयजल (हैंडपंप) की समस्याएं

योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया

उज्ज्वला योजना
राशन कार्ड
आयुष्मान भारत योजना
सामाजिक सुरक्षा पेंशन
ग्रामीण-शहरी दोनों इलाकों में तय फॉर्मेट में लगेंगे शिविरआज 14 जिलों में समाधान शिविर लगाए गए हैं।
शहरी क्षेत्रों में वार्ड अनुसार शिविर

श्रमिक समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना विकास की कल्पना अधूरीः श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मई दिवस) के अवसर पर प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने राज्य के श्रमिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी मेहनतकश श्रमिकों के सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि 1 मई का दिन श्रमिकों के परिश्रम, समर्पण और योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का विशेष अवसर है।

मंत्री देवांगन ने कहा कि श्रमिक समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना विकास की कल्पना अधूरी है। उन्होंने श्रमिकों की सामाजिक और आर्थिक खुशहाली के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिकों सहित सभी जरूरतमंद वर्गों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों और उनके परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ तेजी से उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित तीनों मंडलों- भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, संगठित कर्मकार मंडल और राज्य सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि बीते सवा दो वर्षों में विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 800 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। इससे न केवल श्रमिकों बल्कि उनके परिवारों के सामाजिक और आर्थिक स्तर में भी सुधार आया है।

चार उर्वरक दुकानों के लाइसेंस 21 दिनों के लिए निलंबित

रायपुर। खरीफ सीजन 2026 में जशपुर जिले में कृषि आदानों की उपलब्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त निगरानी शुरू कर दी है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश पर उप संचालक कृषि द्वारा विभिन्न विकासखंडों में कृषि आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। निर्धारित समय-सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने तथा उर्वरक (गुण नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। कार्रवाई के तहत मेसर्स अन्नु कृषि केन्द्र, कांसाबेल, मेसर्स अन्नु सीड्स, कुनकुरी, मेसर्स मौसम बीज भंडार, कवई (विकासखंड बगीचा), मेसर्स कृषि कल्प एग्रीकल्चर प्वाइंट, मुंडा बहला (विकासखंड पत्थलगांव) के उर्वरक विक्रय लाइसेंस को 21 दिवस के लिए निलंबित कर दिया गया है।

SHORT NEWS

राष्ट्रपति मुर्मु ने दी बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, 'बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों और पूरे विश्व में भगवान बुद्ध के अनुयायियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। इसी पवित्र दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण की युगांतरकारी घटनाएँ घटित हुई। उनके द्वारा दिए गए करुणा, अहिंसा, शांति और ज्ञान के शाश्वत संदेश सदैव समस्त मानवता का मार्गदर्शन करते रहेंगे। आज के समय में, जब विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, भगवान बुद्ध के विचार हमें शांति, सहिष्णुता और आपसी सद्भाव की दिशा में चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

मई की शुरुआत में गैस सिलेंडर के दाम में भारी उछाल

नई दिल्ली। मई महीने की शुरुआत होते ही गैस सिलेंडर की कीमतों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल और छोटे गैस सिलेंडरों के दाम में भारी बढ़ोतरी कर दी है, जिससे कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं पर असर पड़ना तय है। जानकारी के अनुसार, 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में देशभर में करीब 993 रुपये का बड़ा इजाफा किया गया है। इसके बाद राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत 2,078.50 रुपये से बढ़कर 3,071.50 रुपये हो गई है।

मुंबई में पकड़ाई 1745 करोड़ की 349 किलो हाई ग्रेड कोकीन

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग रिंग का भंडाफोड़ किया है। एनसीबी ने 349 किलो कोकीन जब्त की है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 1745 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर इस जब्ती की घोषणा करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'हम ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के लिए दृढ़ हैं।' उन्होंने कहा, 'नारकोटिक्स ब्यूरो ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों के गिरोह पर शिकंजा कसते हुए मुंबई में 1,745 करोड़ रुपये मूल्य की 349 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है।

सेवानिवृत्ति के दिन ही पटवारी बोनिफास खलखो को मिला पीपीओ

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार राजस्व विभाग में एक सराहनीय पहल के तहत सेवानिवृत्त पटवारी बोनिफास खलखो को उनके सेवानिवृत्ति दिवस पर ही अंतिम पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) प्रदान किया गया। यह पहल शासन की मंशानुरूप समयबद्ध सेवा वितरण का उत्कृष्ट उदाहरण बनी है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुनकुरी द्वारा खलखो के सेवानिवृत्ति अवसर पर उन्हें सम्मान पूर्वक पीपीओ प्रदान किया गया। साथ ही शाल एवं श्रीफल भेंट कर उनके दीर्घकालीन योगदान का सम्मान किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

एसडीएम कुनकुरी नंदजी पांडे ने बताया कि बोनिफास खल्खो ने 13 जुलाई 1991 को रायगढ़ में पटवारी पद पर अपनी सेवा प्रारंभ की थी। लगभग 34 वर्षों की दीर्घ एवं निष्ठापूर्ण सेवा अवधि में उन्होंने बगीचा, कांसाबेल, पत्थलगांव एवं कुनकुरी सहित विभिन्न स्थानों पर कार्य करते हुए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ निर्वहन किया। उनके कार्यकाल में जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता एवं प्रशासनिक दक्षता सदैव प्रशंसनीय रही।

हादसे में मृतक परिवार को बड़ी राहतः 2 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

जशपुरनगर। प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं का असर अब जमीनी स्तर पर साफ नजर आने लगा है। तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत एक पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। हादसे में मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है, जिससे परिवार को इस कठिन समय में सहारा मिला है और उनकी आर्थिक स्थिति को कुछ मजबूती मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम फरदबहार तहसील फरसाबहार निवासी स्वर्गीय विनोद साय की नदी में नहाने के दौरान अचानक पैर फिसल जाने से गंभीर चोट लग गई थी। हादसे में उनका पैर बुरी तरह घायल हो गया था। परिजनों द्वारा उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और आर्थिक संकट भी गहरा गया।मृतक की पत्नी चिरंजीवी पैंकरा ने अपनी समस्या को लेकर बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय का रुख किया। उन्होंने आवेदन देकर तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत बीमा राशि दिलाने की मांग की। प्रारंभिक स्तर पर उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था, जिससे परिवार को काफी परेशानी हो रही थी।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित संज्ञान लिया और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। प्रशासनिक पहल के बाद प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया गया और अंतत: परिजनों को 2 लाख रुपए की बीमा राशि स्वीकृत कर दी गई। यह सहायता राशि मिलने से परिवार को बड़ी राहत मिली है।

केरल से एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया अमित राम का पार्थिव शरीर, जहां से पहुंचाया गया उनके गृह ग्राम

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की संवेदनशील एवं त्वरित पहल के परिणामस्वरूप जिले के विकासखंड फरसाबहार अंतर्गत ग्राम पगुराबहार(सराईटोली) निवासी अमित राम का पार्थिव शरीर केरल के कोझिकोड से उनके गृह ग्राम सुरक्षित रूप से पहुंचाया गया।

अमित राम केरल के कोझिकोड में ट्रेन से यात्रा के दौरान दुर्घटनावश ट्रेन से नीचे गिरने की वजह से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के पश्चात शोकाकुल परिजनों ने पार्थिव शरीर को उनके गृह ग्राम लाने के लिए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से सहायता हेतु निवेदन किया था।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आवश्यक समन्वय स्थापित किया। इसके परिणामस्वरूप अमित राम के पार्थिव शरीर को विमान के माध्यम से केरल से रांची तक लाया गया। इसके पश्चात मुक्तांजली वाहन के जरिए उन्हें उनके गृह ग्राम पगुराबहार(सराईटोली) पहुंचाया गया। किसी प्रियजन की असमय मृत्यु परिवार के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है, विशेषकर जब यह घटना घर से दूर घटित हो।

शिविरों में होगा समस्याओं का त्वरित समाधान, कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ सहित जशपुर जिले में 'सुशासन तिहार 2026' का आयोजन किया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों के 31 एवं नगरीय निकायों के 5 कुल 36 क्लस्टरों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक शिविर में एक क्लस्टर के लगभग 11 से 18 गांवों एवं नगरीय निकायों के एक क्लस्टर में 15 वार्डों के नागरिक शामिल होकर अपनी समस्याओं का आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। कलेक्टर रोहित व्यास ने सुशासन तिहार के सुचारू संचालन के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी की नियुक्त कर विभागीय अधिकारियों को भी विभिन्न कार्यों का दायित्व सौंपे है।

जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार पहला शिविर 05 मई 2026 को कांसाबेल क्षेत्र के खूंटी टोली में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न विकास खंडों में निर्धारित तिथियों के अनुसार शिविर लगाए जाएंगे।

सीईओ नंदनवार ने श्रमदान कर सोख्ता गड्ढा निर्माण कार्य में निभाई सहभागिता

महासमुंद। जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से संचालित मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 के अंतर्गत आज जिला पंचायत परिसर महासमुंद में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार द्वारा श्रमदान करते हुए सोख्ता गड्ढा निर्माण कार्य में सहभागिता निभाई गई। इस अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी नंदनवार ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा वर्षा जल के संरक्षण के लिए सोख्ता गड्ढों का निर्माण अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने सभी विभागों, ग्राम पंचायतों एवं आमजनों से अभियान से जुड़कर जल संरक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि मोर गांव मोर पानी अभियान के प्रथम चरण में महासमुंद जिले में व्यापक स्तर पर जल संरक्षण कार्य किए गए थे। अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में सोख्ता गड्ढा निर्माण, वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण संबंधी गतिविधियां संचालित की गई थीं। जिसमें कुल 35,182 जल संरचनाओं का निर्माण किया गया था। इस उपलब्धि के लिए जल संचय, जन भागीदारी (जेएसजेबी 1.0) के तहत पूर्वी जोन में शामिल कैटेगरी 2 अंतर्गत महासमुंद जिला को बेस्ट परफॉर्मिंग जिले के रूप में प्रथम स्थान मिला था।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अभियान 2.0 के तहत इन प्रयासों से भू-जल स्तर में सुधार के साथ-साथ जल उपलब्धता बढ़ाने में सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए पुन: जनसहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण कार्यों को गति दी जा रही है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

10वीं एवं 12वीं में शत-प्रतिशत सफलता, मेरिट सूची में उल्लेखनीय स्थान

राजधानी के बड़े निजी स्कूलों को टक्कर दिया, प्रदेश का प्रयास विद्यालय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिम जाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित 'प्रयास' आवासीय विद्यालयों ने इस वर्ष छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर न केवल प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक मिसाल कायम की है। विभाग के निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन में सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद इन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम देते हुए बड़े निजी स्कूलों को कड़ी टक्कर दी है। प्रयास विद्यालयों के 13 बच्चों ने सीजी बोर्ड परीक्षा के टॉप-10 में जगह बनाने में सफलता हासिल की है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कुल 17 प्रयास विद्यालय संचालित है। जिसमें नक्सल प्रभावित बच्चों से लेकर सभी वर्गों के बच्चें अध्ययनरत है। प्रयास आवासीय विद्यालय के माध्यम से बच्चों को एक नई हौसला मिला है, जो उनके सपनों को साकार करने में सार्थक हो रही है। बतादें कि प्रयास विद्यालय के माध्यम से बच्चों को पूरी तरह नि:शुल्क शिक्षा दी जाति है। साथ ही उच्चस्तर के कोचिंग संस्थाओं से प्रतियोगी परीक्षाओं नीट, जेईई एवं अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है।

प्रयास विद्यालय के इस सफलता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने, आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रयास आवासीय विद्यालयों की अवधारणा की सार्थकता को प्रमाणित करती है। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु किए गए सतत प्रयास की सराहना की हैं। प्रयास आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की यह उपलब्धि राज्य के लिए गौरव का विषय है तथा यह अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद प्रयास विद्यालय के बच्चों ने सीजी बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभाग हमेशा बच्चों के शिक्षा के साथ-साथ नैतिक और व्यवहारिक शिक्षा देने के लिए प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे जनजाति बहुल राज्य के लिए यह उपलब्धि न केवल गौरव का विषय है, बल्कि यह दर्शाती है कि सही दिशा, समर्पण और अवसर मिलने पर प्रतिभा किसी भी बाधा को पार कर सकती है। यह सफलता शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रही है, जिसकी सराहना पूरे देश में हो रही है।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने जनजातीय सलाहकार परिषद की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को बताया कि प्रदेश के 50 मेरिट छात्रों में से 13 विद्यार्थी प्रयास विद्यालय के है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस बात के लिए प्रसन्नता जाहिर करते हुए भविष्य में और बेहतर कार्य करने को कहा।

श्री बोरा ने बताया कि हायर सेकेंडरी परीक्षा (कक्षा 12वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय के कुल 128 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। रायपुर स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय, गुडियारी की 19 छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

किसान जीवन लाल वर्मा पशुपालन के साथ-साथ जैविक कृषि को कर रहे प्रोत्साहित

गरियाबंद। ग्राम सेंम्हराडीह के किसान जीवन लाल वर्मा के बेटे ओमप्रकाश वर्मा अपने पिता के मार्गदर्शन में शासन के महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ लेकर पशुपालन के साथ-साथ पशुओं के अपशिष्ट पदार्थों से गैस निर्माण एवं उनके अपशिष्ट तरल से जैविक कृषि कर आत्मनिर्भर हो रहे है। उन्होंने बताया कि डेयरी विकास योजना अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक से 12 लाख रूपये का ऋण लेकर उन्होंने लगभग 9 लाख रूपये की रकम से 8 अच्छी नस्ल की गाय खरीदी। जिसमें साहीवाल, एच एफ, जर्सी, गिर नस्ल शामिल है। उन्होंने लगभग 1 लाख रूपये की एक गाय खरीदी। जिसके रख-रखाव के लिए बाकी बचे पैसे से शेड निर्माण, बोर उत्खनन, सप्लाई पानी टंकी निर्माण वर्मी कंपोस्ट टैंक बनवाया। उन्होंने बताया कि एक गाय प्रतिदिन 16 से 20 लीटर दूध देती है। जिसको देवभोग दूध संग्रहण केंद्र में 23 से 27 रु प्रति लीटर की दर से विक्रय कर आमदनी अर्जित करते है।

अवैध रूप से संचालित ईट भट्ठा पर कार्रवाई, 1 लाख 5 हजार रुपए से अधिक ईट जब्त

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा जिले में अवैध रूप से संचालित ईट भट्ठा पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी कड़ी में खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम रेंगाकठेरा में किसान नरसिंग वर्मा के भूमि पर अवैध रूप से संचालित ईट भट्ठा पर कार्रवाई की गई और मौके से लगभग 1 लाख 5 हजार से अधिक ईट जप्त किया गया। कार्रवाई में तहसीलदार डोंगरगढ़ अमीय श्रीवास्तव खनिज विभाग से भारत बंजारे सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से सावित्री को मिला संबल

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु प्रभावी एवं संवेदनशील पहल की जा रही है। साथ ही श्रमवीरों एवं भूमिहीन कृषि मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाएं उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना भूमिहीन परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रतिवर्ष 10,000 रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है, जिससे उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं को भी मजबूती मिल रही है। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम कन्हाईबंद की निवासी सावित्री यादव इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में उनका जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में व्यतीत हो रहा था। भूमिहीन होने के कारण उनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था और वे पूर्णत: मजदूरी कार्य पर निर्भर थीं। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण एवं अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती था।

उन्होंने बताया कि कई बार उन्हें आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता था, लेकिन योजना के तहत प्राप्त होने वाली वार्षिक सहायता राशि ने उनके जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। अब वे इस राशि का उपयोग घरेलू खर्चों एवं अन्य आवश्यक जरूरतों की पूर्ति में कर रही हैं, जिससे उन्हें काफी राहत मिली है। सावित्री यादव ने कहा कि यह योजना उनके जैसे भूमिहीन परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने न केवल उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया है, बल्कि उनके जीवन में आत्मविश्वास एवं सुरक्षा की भावना भी विकसित की है।

नि:शुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने शिविरों में 130 दिव्यांगजनों का विभिन्न सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन

महासमुंद। भारत सरकार की एडिप योजना तथा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (ए.आई.सी.) के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर द्वारा जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से जिले के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु विकासखण्ड स्तरीय चिन्हांकन एवं मूल्यांकन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रथम चरण में विभिन्न विकासखण्डों में आयोजित शिविरों में दिव्यांगजनों का पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया। जिसमें 24 अप्रैल को जनपद पंचायत सरायपाली में आयोजित शिविर में कुल 44 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया, जिनमें 17 दिव्यांगजनों का विभिन्न सहायक उपकरणों हेतु चिन्हांकन किया गया। इसी प्रकार 27 अप्रैल को जनपद पंचायत बसना में आयोजित शिविर में 27 दिव्यांगजन उपस्थित हुए, जिनमें से 18 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया। 28 अप्रैल को विकासखण्ड पिथौरा में आयोजित शिविर में कुल 29 दिव्यांगजन उपस्थित हुए, जिनमें 13 दिव्यांगजनों का सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन किया गया। वहीं 29 अप्रैल को जनपद पंचायत बागबाहरा में आयोजित शिविर में कुल 34 दिव्यांगजन उपस्थित हुए, जिनमें से 26 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया। इसी क्रम में आज जनपद पंचायत परिसर महासमुंद में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 92 दिव्यांगजन उपस्थित हुए, जिनमें 56 दिव्यांगजनों का विभिन्न सहायक उपकरणों हेतु चिन्हांकन किया गया।

प्रथम चरण में जिले के विभिन्न विकासखण्डों में आयोजित शिविरों में कुल 226 दिव्यांगजन सम्मिलित हुए, जिनमें से 130 दिव्यांगजनों का विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया। चिन्हांकित हितग्राहियों को आगामी चरण में आवश्यकतानुसार व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, श्रवण यंत्र, कृत्रिम अंग सहित अन्य सहायक उपकरण नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे।

पेयजल समस्या से जूझ रहे ग्रामों में जल सुलभ कराने का अटूट संकल्प

दंतेवाड़ा। भीषण गर्मी के मौसम में जब जल की उपलब्धता ग्रामीण जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाती है, ऐसे समय में जिला दंतेवाड़ा के सुदूर अंचल में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समर्पित टीम ने सेवा, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

मालूम हो कि जिला दंतेवाड़ा का अंतिम छोर, सुकमा सीमा के निकट स्थित ग्राम पंचायत जंगमपाल, लंबे समय से पेयजल संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहा था। यहां गर्मी बढ़ने के साथ समस्या और गंभीर हो गई थी। ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए कलेक्टर के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की हैंडपंप टेक्नीशियन टीम तत्काल जंगमपाल और आसपास के सुदूर गांवों के लिए रवाना हुई। विकासखंड कटेकल्याण के दुर्गम वनांचल क्षेत्र में बसे इन ग्रामों में पूरे मशीनरी, उपकरण, साजो-सामान के साथ पहुंचना आसान कार्य नहीं है। फिर भी कठिन मार्ग और सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने हार नहीं मानी। टीम ने लगातार तीन दिन और दो रातें गांवों में रहकर पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाने का कार्य किया। इस दौरान उन्हें घर-परिवार से दूर रहकर जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि विश्राम करना पड़ा, लेकिन उनका उद्देश्य स्पष्ट था, हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना।

इस विशेष अभियान के दौरान टीम को लीड हैंडपंप टेक्नीशियन उमा शंकर नेताम द्वारा किया गया। टीम ने जंगमपाल सहित आसपास के लगभग पाँच से छह गांवों जंगमपाल, प्रतापगिरी, छोटेलखापाल, छोटेतोंगपाल जैसे अंदरूनी ग्रामों का भ्रमण किया। जहां सामान से भरे पिकअप को नदी पार किया गया तो कभी भरी सामान कंधों पर रखकर पगडंडियों पर चलकर जाना पड़ा। प्रत्येक गांव में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत की गई, आवश्यक तकनीकी सुधार किए गए, जल स्रोतों की सफाई की गई तथा जल स्रोतों का क्लोरीनेशन कर जल गुणवत्ता सुनिश्चित की गई। इस अथक मेहनत से हैंडपंपों का पुनर्संचालन हुआ। और ग्रामीणों को पुन: स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा। इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों ने टीम के समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि भीषण गर्मी में पेयजल संकट से राहत मिलना उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। विभाग की इस त्वरित और प्रभावी पहल से न केवल पेयजल व्यवस्था बहाल हुई, बल्कि ग्रामीणों में शासन और प्रशासन के प्रति विश्वास भी और मजबूत हुआ।

यह पहल दर्शाती है कि जब सेवा का संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी दूरी, कठिनाई या चुनौती कार्य के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की यह प्रतिबद्धता जल जीवन मिशन के मूल उद्देश्यकृष्हर घर जलष्कृको साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है। जंगमपाल और आसपास के सुदूर गांवों में बहाल हुई यह पेयजल व्यवस्था केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि जनसेवा, समर्पण और मानवीय संवेदना की एक उत्कृष्ट मिसाल है। इस हैंडपंप संधारण टीम में टेक्नीशियन उमा शंकर नेताम, हेल्पर, राजेश नाग, राजू ठाकुर, गोविंद ठाकुर, विजेंद्र कश्यप, गौतम ठाकुर, अनिल ठाकुर, वीरेंद्र सेठिया शामिल थे।

बिजली बिल समाधान योजना बनी सहारा

धमतरी। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं तब सार्थक सिद्ध होती हैं जब वे सीधे आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती हैं। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 इसी दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में उभरकर सामने आई है, जिसने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत प्रदान कर उन्हें नई आशा दी है। धमतरी जिले के विकासखंड कुरूद अंतर्गत ग्राम चरमुडिया निवासी कुसुम बाई सतनामी का परिवार भी लंबे समय से बढ़ते हुए बिजली बिल की समस्या से जूझ रहा था। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण समय पर बिजली बिल का भुगतान संभव नहीं हो पा रहा था, जिससे बकाया राशि लगातार बढ़ती जा रही थी। यह स्थिति उनके लिए मानसिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से चिंता का विषय बन गई थी।

'बगिया के विष्णु' का विकास विज़न- सुशासन से जन-जन तक पहुंचती सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते लगभग ढाई वर्षों में शासन की कार्यशैली को लेकर एक नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश दिखाई देती है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 'सुशासन' को केवल एक नारा नहीं, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन का आधार बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सीमित समयावधि करीब 2 वर्ष 4 माह 17 दिन में ही सरकार ने विकास का जो खाका तैयार किया है, उसे भविष्य की बड़ी तस्वीर के रूप में देखा जा रहा है।

प्रदेश की पहचान 'धान का कटोरा' के रूप में रही है, लेकिन इस पहचान को सम्मान देने का काम हालिया नीतिगत निर्णयों में स्पष्ट दिखता है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर तय करना केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि अन्नदाताओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने की पहल भी है। इसके साथ ही, तेंदूपत्ता संग्राहकों जिन्हें 'हरा सोना' से जुड़ा श्रमिक वर्ग कहा जाता है, के लिए पारिश्रमिक दर को 5500 रुपये करना और चरण पादुका वितरण जैसे निर्णयों ने आदिवासी क्षेत्रों में राहत पहुंचाई है।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही लगभग 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति देना सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। बेघर और जरूरतमंद परिवारों को छत उपलब्ध कराना सुशासन की पहली सीढ़ी के रूप में देखा गया।राज्य सरकार ने 70 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि देने की पहल की। यह राशि भले सीमित लगे, लेकिन ग्रामीण और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह आर्थिक संबल का काम कर रही है। यह कदम महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों ने असर दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह की रणनीति और संकल्प के साथ 31 मार्च 2026 तक नक्सलमुक्ति का लक्ष्य एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। इससे विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

राजनांदगांव शहर के 7 थोक व 6 फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का किया गया सघन निरीक्षण

राजनांदगांव। शासन के निर्देशानुसार सही दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम अंतर्गत 27 अप्रैल से 11 मई 2026 तक 15 दिवसीय सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा अभियान के द्वितीय दिवस राजनांदगांव शहर में संचालित 7 थोक औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों तथा अभियान के तीसरे दिवस राजनांदगांव शहर में संचालित 6 फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरा की स्थिति, औषधियों के क्रय-विक्रय विरण, अवमानक औषधियों के संग्रहण, नार्कोटिक्स औषधियों के रिकार्ड, पंजीकृत फार्मासिस्ट उपस्थिति की जांच की गई। फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों से दो औषधियों के नमूने जांच के लिए लिए गए। अधिकारियों ने प्रतिष्ठान संचालकों को खरीदी-बिक्री बिल के साथ गुणवत्तापूर्ण सामग्री के क्रय-विक्रय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम ने सुलझाए लंबित प्रकरण, उपभोक्ताओं को मिली बड़ी राहत

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी नीतियों और विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की सक्रियता से जिले के विद्युत उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिल रही है। फोरम की हालिया सुनवाई में न केवल वर्षों पुराने भारी-भरकम बिजली बिलों का निपटारा किया गया, बल्कि लंबित अमानत राशि (सिक्योरिटी डिपॉजिट) का भुगतान भी सुनिश्चित कराया गया।

योजना के तहत 50 प्रतिशत से अधिक की छूट:

सूरजपुर जिले के रामानुजनगर उपसंभाग के अंतर्गत 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026' ग्रामीण परिवारों के समाधान लेकर आई है। सहायक यंत्री आशीष लकड़ा ने बताया कि उपभोक्ता जगरनाथ राम का 90,144 रुपये का विद्युत देयक लंबे समय से लंबित था। योजना के तहत प्रकरण की समीक्षा कर उन्हें 55,530 रुपये की भारी छूट प्रदान की गई। छूट के पश्चात उपभोक्ता ने निर्धारित किश्तों में शेष 35,260 रुपये का भुगतान कर अपने बिल को पूरी तरह 'निरंक' (शून्य) करा लिया है। उपभोक्ता की पुत्रवधू रामबाई ने विभागीय कार्यवाही पर संतोष व्यक्त करते हुए नाम परिवर्तन की प्रक्रिया के लिए भी आवेदन किया है।

अमानत राशि का भुगतान और विभाग को हिदायत :

एक अन्य प्रकरण में, अम्बिकापुर संभाग के जोन-तीन (जेल कॉलोनी) निवासी रमेश गिरी की एक वर्ष से लंबित अमानत राशि का निराकरण किया गया। फोरम के हस्तक्षेप के बाद विभाग ने 2,570 रुपये की अमानत राशि सीधे उपभोक्ता के भारतीय स्टेट बैंक के खाते में हस्तांतरित कर दी है। हालांकि, इस छोटे से प्रकरण में हुए एक वर्ष के विलंब पर फोरम ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सहायक यंत्री अभिनेष बंजारे की उपस्थिति में फोरम ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में उपभोक्ताओं से जुड़े कार्यों में समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाए ताकि आम नागरिकों को मानसिक व आर्थिक परेशानी न हो।

उपभोक्ताओं से लाभ लेने की अपील :

विभागीय उच्च अधिकारियों ने अन्य बकायादार उपभोक्ताओं से भी 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026' का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि विभाग का लक्ष्य है कि शासन की इस योजना के माध्यम से अधिक से अधिक ग्रामीण और मध्यम वर्गीय परिवार अपने पुराने बकाया बोझ से मुक्त हो सकें।

संजय मार्केट में अवैध तोता बिक्री पर वन विभाग की कार्रवाई, हमला करने वाले आरोपियों पर मामला दर्ज

जगदलपुर। शहर के संजय मार्केट क्षेत्र में अवैध रूप से तोते के बच्चों की बिक्री के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम पर हमला किए जाने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

वन विभाग को 27 अप्रैल की दोपहर लगभग 12 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि संजय मार्केट में वन्यप्राणी तोते के बच्चों की अवैध बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही परिक्षेत्र अधिकारी कोलेंग एवं उड़नदस्ता प्रभारी के नेतृत्व में निदेशक कांगेर घाटी नेशनल पार्क के मौखिक निर्देश पर टीम गठित कर मौके पर पहुंची। सत्यापन के दौरान सब्जी विक्रेता विक्रम मजूमदार के पास से 15 तोते बरामद किए गए, जिनमें 14 प्लम हेडेड पैराकीट तथा 1 रोज रिंग पैराकीट शामिल थे।

वन विभाग की टीम द्वारा विधिवत जप्ती की कार्रवाई की जा रही थी, तभी आरोपी ने भीड़ एकत्रित कर जांच दल प्रमुख अक्षय कश्यप पर हमला कर दिया और बरामद तोते के बच्चों को लेकर फरार हो गया। अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई को सफल बनाने के लिए टीम सादा कपड़ों में पहुंची थी, ताकि आरोपी पहले से सतर्क होकर भाग न सके।

घटना की सूचना तत्काल पुलिस विभाग को दी गई। जांच दल प्रमुख अक्षय कश्यप की शिकायत पर संबंधित आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने घटना के शुरुआती घंटों में ही कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि दो अन्य आरोपियों को अगले दिन पकड़कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। एक आरोपी अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

शल्य चिकित्सा : 5 माह से पीड़ित केतकी सेठी को मिली दांत दर्द से मुक्ति

जगदलपुर। बस्तर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल से चिकित्सा क्षेत्र की एक बड़ी सफलता की खबर सामने आई है, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने एक ग्रामीण महिला को लंबे समय से चली आ रही गंभीर पीड़ा से निजात दिलाई। ग्राम बड़े आरापुर की निवासी केतकी सेठी पिछले 5 महीनों से दांतों के असहनीय दर्द से जूझ रही थीं। इस लंबी अवधि के दौरान उन्होंने कई स्थानीय उपचारों का सहारा लिया, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिल पा रही थी।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ ऋषभ साव ने बताया कि अंतत: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल पहुँचने पर चिकित्सा अधिकारी (दंत) डॉ. अश्लेषा तिवारी ने गहन परीक्षण के बाद पाया कि मरीज के निचले जबड़े का अंतिम दाढ़ (मेसियोएंगुलर इम्पैक्टेड 38 मोलर) हड्डी के भीतर टेढ़ा फंसा हुआ था। इस तरह की स्थिति में दांत पूरी तरह बाहर नहीं आ पाता और वह अगले दांतों के साथ-साथ जबड़े की हड्डी पर भी दबाव बनाता है, जिसके कारण केतकी सेठी पिछले कई महीनों से न तो ठीक से भोजन कर पा रही थीं और न ही चैन की नींद सो पा रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सर्जिकल डिसइम्पेक्शनश् और बक्कल पैड करेक्शन का निर्णय लिया। इस जटिल ऑपरेशन को डॉ. तिवारी ने अपनी टीम, जिसमें सहायक सुबन नाग और सिस्टर कल्पना शामिल थीं, के साथ मिलकर अत्यंत कुशलतापूर्वक संपन्न किया। सर्जरी के माध्यम से न केवल टेढ़े फंसे दांत को निकाला गया, बल्कि आसपास के ऊतकों का सुधार भी किया गया ताकि घाव जल्दी भर सके। इस सर्जरी के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद मरीज केतकी सेठी ने राहत की सांस ली है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल में इस स्तर की विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को अब बड़े निजी अस्पतालों के महंगे इलाज पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा में पात्र लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर सेचुरेशन करें : कमिश्नर

जगदलपुर। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने बस्तर मुन्ने, नियद नेल्लानार योजना एवं सुशासन तिहार के तहत आयोजित होने वाले शिविरों को सुचारू एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

कमिश्नर सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत और नगरीय निकायों के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि एनसीईएआर सर्वे डेटा के आधार पर चिन्हित हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित कर सेचुरेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उक्त शिविर ग्रामीणों और नागरिकों के समस्याओं का वास्तविक समाधान का माध्यम बनें।

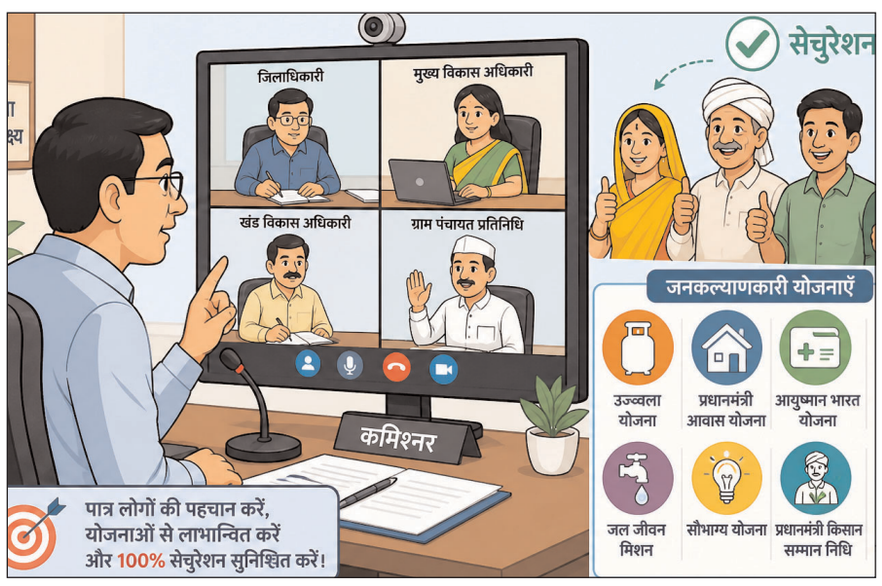

कमिश्नर ने अधिकारियों से कहा कि शिविरों के आयोजन से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ ले सकें। इस दिशा में ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी करवाने सहित बैनर-पोस्टर लगाकर लोगों को अवगत कराया जाए, वहीं नगरीय इलाकों में उद्घोषणा करवाकर नागरिकों को शिविरों की जानकारी दी जाए। साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से सूचित किया जाए। कमिश्नर ने उपयुक्त शिविर स्थलों का चयन करने पर बल देते हुए कहा कि शिविरों को सामुदायिक भवन या अन्य सार्वजनिक स्थल जिसमें समुचित छाया की व्यवस्था, पेयजल की सुविधा आदि उपलब्ध हो, वहाँ पर आयोजन किया जाए। इन शिविरों के दौरान ग्राम पंचायत और वार्ड कार्यालय खुली रखी जाए और संबंधित मैदानी अमले की उपस्थिति सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शिविरों में लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने पर विशेष जोर दिया।

कमिश्नर ने कहा कि नियद नेल्लानार योजना और बस्तर मुन्ने जैसी पहल क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, इसलिए इनके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड विजिट के माध्यम से कार्यों की प्रगति पर नजर रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में अधिकारियों से कहा गया कि शासन की मंशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से छूटे हुए पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जाए, विशेष रूप से आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, श्रमिक कार्ड, जाब कार्ड सहित अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं का सेचुरेशन पर विशेष फोकस किया जाए। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन, डिप्टी कमिश्नर गीता रायस्त सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। वहीं अन्य जिलों के सीईओ जिला पंचायत एवं अन्य अधिकारी वर्चुअल रूप से जुड़े रहे।

लाइवलीहुड कॉलेज के माध्यम से आत्मसमर्पित हितग्राहियों को ट्रैक्टर प्रशिक्षण

दंतेवाड़ा। जिले में पुनर्वास की मुख्यधारा से जुड़ रहे आत्मसमर्पित हितग्राहियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। इस पहल के तहत आत्मसमर्पित हितग्राहियों को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने के लिए ट्रैक्टर संचालन का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कौशल विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि हितग्राहियों के आत्मविश्वास को पुनर्जीवित कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से स्थापित करना भी है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ट्रैक्टर के सुरक्षित संचालन, रखरखाव, कृषि कार्यों में इसके उपयोग तथा व्यावसायिक संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। लाइवलीहुड कॉलेज के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा व्यावहारिक एवं तकनीकी दोनों प्रकार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे हितग्राही न केवल कुशल चालक बन सकें, बल्कि स्वरोजगार के अवसर भी तलाश सकें। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात इन हितग्राहियों को रोजगार से जोड़ने के लिए भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकें। इस पहल से जुड़े हितग्राहियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण उनके जीवन में एक नई दिशा लेकर आया है। उन्होंने कहा कि पहले जहां वे सीमित अवसरों में बंधे हुए थे, वहीं अब उन्हें अपने भविष्य के प्रति एक नई आशा और आत्मविश्वास महसूस हो रहा है। जिला प्रशासन की यह पहल न केवल पुनर्वास की प्रक्रिया को सुदृढ़ बना रही है, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की एक नई मिसाल भी प्रस्तुत कर रही है। यह प्रयास यह दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है ।

अवकाश अवश्य मनाएं, पर इन चार बातों का रखें खास ध्यान

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अवकाश (छुट्टियां) केवल आराम का साधन नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। जैसे ही बच्चों के स्कूलों में छुट्टियां शुरू होती हैं, परिवारों में घूमने-फिरने की योजनाएं बनने लगती हैं। लेकिन अवकाश का असली आनंद तभी मिलता है, जब इसे सही तरीके से और समझदारी के साथ बिताया जाए।

प्रख्यात चिंतक पं. विजयशंकर मेहता के अनुसार, अवकाश केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्मचिंतन, सीखने और रिश्तों को मजबूत करने का भी समय है। भारतीय परंपरा में भी अवकाश का विशेष महत्व रहा है। ऋषि-मुनि भी अपने जीवन में समय-समय पर अवकाश लेकर आत्मज्ञान और चिंतन में लीन होते थे।

सबसे पहली बात है समय-सीमा तय करना। जब भी आप छुट्टियों की योजना बनाएं, पहले यह निर्धारित करें कि कितने दिनों का अवकाश लेना है। इससे न केवल आपकी यात्रा व्यवस्थित रहेगी, बल्कि अनावश्यक तनाव से भी बचाव होगा। बिना योजना के छुट्टियां अक्सर थकान और अव्यवस्था का कारण बन जाती हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण बात है सही साथियों का चयन। परिवार या मित्रों के साथ यात्रा करते समय यह ध्यान रखें कि आपके साथ जाने वाले लोग आपकी सोच और रुचियों से मेल खाते हों। अच्छा साथ यात्रा को यादगार बना देता है, जबकि असहज संगति पूरे अनुभव को खराब कर सकती है।

तीसरी बात है स्थान परिवर्तन के दौरान सावधानी। जब आप अपने परिचित वातावरण से दूर किसी नए स्थान पर जाते हैं, तो वहां की परिस्थितियों, मौसम और सुरक्षा का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। नई जगहों पर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी जरूरी है, ताकि आपकी यात्रा सुरक्षित और सुखद बनी रहे।

चौथी और सबसे महत्वपूर्ण बात है संपर्क बनाए रखना। जब आप अपने घर या कार्यस्थल से दूर हों, तब भी आवश्यक संपर्क बनाए रखें। परिवार, मित्र या कार्य से जुड़े लोगों के साथ समय-समय पर संवाद करना आपको मानसिक रूप से सुरक्षित और जुड़ा हुआ महसूस कराता है।

धार्मिक ग्रंथ रामचरितमानस में भी अवकाश के महत्व को सुंदर तरीके से बताया गया है। वनवास के दौरान भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण ने अपने समय का उपयोग केवल विश्राम में नहीं, बल्कि ज्ञान, वैराग्य, गुण और नीति पर चर्चा में किया। यह संदेश देता है कि अवकाश केवल शारीरिक आराम के लिए नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए भी होना चाहिए।

अंततः, अवकाश का उद्देश्य सिर्फ घूमना-फिरना नहीं, बल्कि खुद को तरोताजा करना, रिश्तों को मजबूत करना और जीवन के प्रति नई ऊर्जा प्राप्त करना होना चाहिए। यदि इन चार बातों का ध्यान रखा जाए, तो आपका अवकाश न केवल सुखद होगा, बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाएगा।

किटी पार्टियां बुक क्लब्स से किताब का एक पन्ना ले सकती हैं!

85 साल की बेकी नेडेलमैन आज भी अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अपना क्लब चलाती हैं। 2001 में शुरू हुए इस क्लब के सदस्य हर महीने मिलते हैं। कुछ सदस्य तो 90 से अधिक उम्र के हैं। उन्होंने कभी मासिक मीटिंग मिस नहीं की। हमारी किटी पार्टियों की तरह यह भी किसी एक महिला के घर पर होती है, जो मौसम के हिसाब से स्नैक्स और ड्रिंक्स का इंतजाम करती हैं।

यह साथ उनकी जिंदगी के हर दौर से गुजरा है- शादी से मां बनने तक और बीमारी से तलाक तक। सदस्य तभी कम होते हैं, जब दुर्भाग्य से कोई गुजर जाए या कहीं और चला जाए। बेकी कहती हैं कि हर गुजरते साल के साथ इसका भावनात्मक महत्व और बढ़ता है। ये मुलाकातें जितनी लंबी चलती हैं, उतना ही वे एक-दूसरे के लिए अहम बनती जाती हैं। आज वे उस उम्र में हैं, जहां कभी-कभी दोस्तों को खो देती हैं। कई ने अपने पति भी खो दिए हैं। इसीलिए ये मीटिंग्स और भी अहम हो जाती हैं।

तो मिल कर वे क्या करती हैं? वे किताबें पढ़ती हैं। हां, सही पढ़ा। यही उनकी किटी पार्टी है। 25 वर्षों में उन्होंने 252 किताबें पढ़ ली हैं। ये सदस्य हर किताब पर जीवंत बहस करते हैं। सदस्यों के दिमागी तौर पर खुलेपन के कारण यह क्लब चल रहा है। किसी को लेखक पसंद आता है, लेकिन उसकी किताब नहीं।

किसी के विचार इससे उलट होते हैं। कुछ सोचते हैं कि लेखक को किताब का अंत कैसे करना चाहिए था। यही बहस हर मीटिंग के बाद उन्हें और समझदार बनाती है, क्योंकि उन्हें एक ही किताब पर कई नजरिए सुनने को मिलते हैं। इससे उन्हें एक विषय को विविध नजरियों से देखने में मदद मिलती है। हममें से कई लोगों ने देखा होगा कि हमारी मासिक मीटिंग्स घटती रुचि, समय न मिलने, घरेलू कारणों, यात्रा या रिश्तेदारों से जुड़े मसलों के कारण खत्म हो जाती हैं। लेकिन 'बेकीज बुक क्लब' की हर मीटिंग में आज भी जीवंत बहस होती है। किताब या लेखक के बारे में हर महिला की राय को दूसरे धैर्य से सुनते हैं और बहस करते हैं, क्योंकि यह पुराने दोस्तों का समूह है- जो गपशप नहीं, साहित्य पर बात करने जुटते हैं।

अमेरिका में महिलाओं के अलग-अलग क्लब होते हैं- जैसे इन्वेस्टमेंट क्लब, जहां निवेश पर चर्चा होती है। प्लान्ड पैरेंटहुड क्लब, जहां माता-पिता बनने से पहले की तैयारियां साझा होती हैं। ऐसे ही बेकीज बुक क्लब में सिर्फ साहित्य प्रेमी और सच्चे बुक-रीडर हैं।

जून 2001 से यह समूह 252 किताबें पढ़ चुका है और हर किताब का विस्तृत रिकॉर्ड रख रहा है। समूह समकालीन साहित्य पढ़ता है, लेकिन बीच-बीच में वे क्लासिक्स भी पढ़ लेते हैं। जो चीज इस समूह को खास और बिना रुकावट चलने वाला बनाती है, वह यह है कि हर सदस्य अलग-अलग विषयों की किताबें पढ़ने को तैयार रहता है। वे कोई विचार यह कहकर नहीं ठुकराते कि 'मुझे ऐसी किताबें पढ़ना पसंद नहीं।'

पढ़ना उम्रदराज लोगों के दिमाग को गॉसिप से दूर रखकर साझा बौद्धिक चर्चा से जोड़ता है, जिससे स्थिर व रचनात्मक समुदाय बनता है। अलग-अलग साहित्य पर जीवंत चर्चा सदस्यों को सक्रिय व बौद्धिक तौर पर मजबूत रखती है। यह मेंटल वर्कआउट जैसा है, जो 90 की उम्र में भी कॉग्निटिव क्षमता मजबूत रखता है।

रिसर्च बताती है कि ऐसा कॉग्निटिव स्टिमुलेशन दिमाग के न्यूरल पाथ-वे को सक्रिय रख कर डिमेंशिया, अल्जाइमर से लंबे समय बचाए रख सकता है। अध्ययन ये भी बताते हैं कि किताबें पढ़ने वाले लोग उन लोगों से ज्यादा जीते हैं, जो नहीं पढ़ते। मानसिक सक्रियता और बेकीज जैसे क्लब्स में मिलने वाले सामाजिक सहारे का कॉम्बिनेशन बढ़ती उम्र में एक ताकतवर 'सर्वाइवल एडवांटेज' बनाते हैं।

ये क्लब्स स्ट्रेस मैनेजमेंट के अलावा अकेलेपन से जूझने में मदद करते हैं। उद्देश्य देते हैं, जैसे 252 किताबें पढ़ना। और सबसे अहम, बुजुर्गों को अपनी जिंदगी जीने में मदद करते हैं। यह निजी पीड़ा को साझा मानवीय अनुभवों में बदल देते हैं।

फंडा यह है कि अगर हमारी किटी पार्टियों में कम से कम 100 पेज की किताबें पढ़ना शुरू करें तो इससे हमारी समझदार महिलाओं का ज्ञान जीवन के कई पहलुओं में और अधिक समृद्ध हो सकता है।

पंजाब को लेकर भाजपा की रणनीति अब बदल रही है

आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में चले जाने से पंजाब का मोर्चा हालिया विधानसभा चुनावों का शोर थमने से पहले ही खुल गया है। ध्यान रहे कि 'आप' राज्यसभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी थी। एक दशक पहले ही बनी एक नई पार्टी के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं।

इसकी तुलना में शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के पास भी राज्यसभा में एक-एक ही सांसद हैं। लेकिन सात सांसद निकलने के बाद अब राज्यसभा में 'आप' के तीन ही सदस्य बचे हैं। 'आप' इस पाला-बदल को अदालत में चुनौती देने की योजना बना रही है।

जब तक अदालत इन सात सांसदों के फैसले पर तत्काल रोक नहीं लगाती, वे भाजपा के सदस्य बने रहेंगे। अदालत के अंतिम फैसले तक तो यही स्थिति रहने वाली है। संभवत: तब तक उनका राज्यसभा का कार्यकाल भी समाप्त हो चुका होगा। अनुभव बताते हैं कि दल-बदल के मामले अदालतों में वर्षों चलते रहते हैं। भले ही इससे दल-बदल कानून की समीक्षा की जरूरत महसूस होने लगी हो, लेकिन फिलहाल तो इस घटनाक्रम का असर 'आप' के भविष्य, पंजाब में उसकी सरकार, केजरीवाल के नेतृत्व और पंजाब में भाजपा व कांग्रेस की स्थिति पर भी पड़ेगा।

देखें तो राज्यसभा में भाजपा के खाते में सात सांसदों की बढ़ोतरी उसे खासी राहत देगी, लेकिन इसके बावजूद उसके पास सदन में अब भी बहुमत से 10 सीटें कम हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में पिछले साल मिली हार के बाद कमजोर दिख रही 'आप' को इस घटनाक्रम ने बड़ा झटका दिया है। इतने सांसदों के पाला बदलने से कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित होगा और केजरीवाल की पार्टी को एकजुट रखने की क्षमता पर सवाल उठेंगे। पंजाब में भी पार्टी के हौसले पर असर पड़ेगा, जहां अगले साल चुनाव होने वाले हैं।

पंजाब में 'आप' के पास 117 में से 94 सीटों का मजबूत बहुमत है। पार्टी नेतृत्व अब इस बात को लेकर चिंतित है कि विधायकों को खरीद-फरोख्त से कैसे बचाया जाए। 'आप' विधायक सतर्क हैं और जानकारों की मानें तो वे एक-दूसरे पर नजर भी रख रहे हैं कि कौन-कौन राघव चड्ढा और भाजपा में गए नेताओं के संपर्क में हैं। पाला बदलने वाले चड्ढा और केजरीवाल के प्रमुख रणनीतिकार संदीप पाठक की अहमियत इसलिए नहीं है कि वे भाजपा के लिए जमीनी समर्थन जुटा लेंगे, क्योंकि वे जन-नेता तो हैं ही नहीं। हां, छात्रों और फर्स्ट टाइम वोटरों में चड्ढा का थोड़ा आकर्षण जरूर है।

चड्ढा ने 2022 में पंजाब चुनाव की जिम्मेदारी संभाली थी और पाठक केजरीवाल के बेहद भरोसेमंद थे। यहां तक कि टिकट वितरण समेत अन्य सभी महत्वपूर्ण कामकाज तक भी वे देखते थे। इसलिए ये दोनों ही पंजाब में 'आप' के विधायकों को अच्छे से जानते हैं। बताया जाता है कि पार्टी छोड़ने के बाद उन्होंने कई विधायकों से संपर्क किया भी है। तो क्या वे पंजाब में 'आप' विधायकों में ?बगावत करवा सकते हैं? खासकर, जिन विधायकों को मंत्री या कोई अन्य पद नहीं मिला और जो असंतुष्ट हैं, उनमें? क्या इससे सरकार गिर सकती है और चुनाव से पहले राष्ट्रपति शासन लग सकता है? फिलहाल इस पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

यह भी सवाल पूछा जा सकता है कि क्या इन बदली परिस्थितियों में पंजाब की 'आप' में कोई 'एकनाथ शिंदे' हो सकता है, जो सियासी समीकरणों को बदल दे और भाजपा को इसका फायदा हो? खैर, ये सब तो अभी अटकलें ही हैं, लेकिन पंजाब में भाजपा के गेम प्लान को लेकर चर्चाएं जरूर अभी से शुरू हो चुकी हैं।

भाजपा अब पारंपरिक जातीय समीकरणों पर निर्भर रहने के बजाय जनता के बीच मुद्दों को लेकर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर सकती है। 2020-21 के किसान आंदोलन के बाद उसने पंजाब में जमीन खो दी थी। उसका सबसे पुराना सहयोगी शिरोमणि अकाली दल उससे अलग हो गया। हालांकि, दोनों में बातचीत चलती रही है, लेकिन नतीजा नहीं निकल पाया।

कुछ ही समय पहले तक भाजपा मान रही थी कि चूंकि 2027 के चुनाव तक वह पंजाब में मजबूत होने की स्थि ?ति में नहीं है तो बेहतर होगा भगवंत मान ही सत्ता में बने रहें। क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि इस सीमावर्ती राज्य में कांग्रेस की वापसी हो। हालांकि 'ऑपरेशन-7' को अब पंजाब को लेकर भाजपा की रणनीति में बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी की सोच बदल रही है।

बीजिंग दौड़ से उभरी तकनीक की नई चेतन

जयपुर। डॉ. अमन शर्मा प्रोफेसर एवं रिसर्च साइंटिस्ट-2026बीजिंग ई-टाउन हाफ-मैराथन में जब अपना आखिरी धावक भी फिनिश लाइन पार कर लिया, तो दुनिया ने सिर्फ एक खेल आयोजन का अंत नहीं देखा, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर से लिखी गई एक नई वैश्विक चेतना का जन्म देखा। इस दौड़ में हर धावक के जूते, कपड़े और यहां तक कि पानी की बोतल तक सेंसर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) चिप्स से जुड़े थे, जो न सिर्फ हृदय की धड़कन और मांसपेशियों की थकान को माप रहे थे।सैकड़ों भाषाओं में दुनिया के कोने-कोने में बैठे दर्शकों तक यह संदेश पहुंचा रहे थे कि अब प्रतिस्पर्धा केवल समय और गति की नहीं, बल्कि सुरक्षा, समानता और मानवीय सहानुभूति की है। जब दौड़ समाप्त हुई, तो उसी एआइ ने पूरी दुनिया को एक डिजिटल दीवार पर यह लिखकर दिखा दिया कि तकनीक मनुष्य को मात देने के लिए नहीं, बल्कि उसे गिरने से बचाने, उसका हाथ थामने व उसे उसकी अपनी सीमाओं से परे ले जाने के लिए है।

एआइ से भरी इस दुनिया में सबसे बड़ी मैराथन अब यह है कि हम एक-दूसरे को समझें, एक-दूसरे की रक्षा करें और एक साथ दौड़ते रहें, भले ही हमारी भाषाएं, झंडे या शरीर अलग-अलग हों। 2026 बीजिंग ई-टाउन हाफ-मैराथन अब सिर्फ एक दौड़ की याद नहीं, बल्कि ऐसा एआइ-लिखित वैश्विक संदेश बन चुका है, जो यह साबित करेगा कि तकनीक तब शक्तिशाली होती है

जब वह मानवता की सेवा करे। भारत को उसी प्रेरणा से आगे बढ़ना होगा, जो 2026 बीजिंग ई-टाउन हाफ-मैराथन के एआइ संदेश ने दुनिया को दी- यानी तकनीक को केवल नकल या उपभोग तक सीमित न रखकर, उसे अपनी अनूठी समस्याओं और सपनों के अनुरूप ढालना होगा। भारत को चाहिए कि वह एआइ, ड्रोन, हेल्थ-सेंसर और डिजिटल भाषाई प्लेटफॉर्म को हर गांव और गली तक पहुंचाए। भारत को अपनी सांस्कृतिक विविधता, योग, अहिंसा और सामूहिक चेतना को एआइ में एम्बेड करना होगा। भारत को मुख्यधारा से आगे निकलकर एआइ युग में वैश्विक सुपरपावर बनने के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने कुल एआइ प्रयासों का 35त्न हिस्सा सीधे ग्रामीण और गरीब जनता तक पहुंचाने में लगाए, जहां एआइ-आधारित टेलीमेडिसिन, दूरस्थ शिक्षा और सामाजिक सुधार के स्मार्ट मंच अंतिम छोर के व्यक्ति को भी सशक्त बना सकें। वहीं 20% प्रयास भारतीय भाषाओं (हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी, बंगाली, गुजराती आदि) में एआइ प्लेटफॉर्म विकसित करने में लगाना होगा। 15% संसाधन योग, ध्यान और समग्र कल्याण की आयुर्वेदिक व आध्यात्मिक परंपराओं को एआइ से जोडऩे में समर्पित करना होगा। 10% प्रयास ड्रोन, किफायती सेंसर और पहनने योग्य उपकरणों के पूर्णत: स्वदेशी निर्माण पर केंद्रित होने चाहिए। 10% हिस्सा वैश्विक एआइ नैतिकता, डेटा गवर्नेंस और एआइ कानूनों के ढांचे के नेतृत्व में निवेश करना होगा, ताकि भारत केवल तकनीकी उपभोक्ता न रहे, बल्कि नियमों के निर्माता के रूप में विश्व मंच पर छा जाए और अंतिम बचे हुए 10% प्रयासों को एआइ-संचालित उद्योगों, गहन तकनीकी स्टार्टअप्स, और अगली पीढ़ी की डिजिटल इकोसिस्टम के जरिये सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8-10% की अतिरिक्त वार्षिक वृद्धि सुनिश्चित करने पर लगाना अनिवार्य होगा। क्योंकि जब तक आर्थिक लाभ दिखाई नहीं देगा, यह पूरा मॉडल टिकाऊ नहीं होगा। इस प्रकार के योजनाबद्ध, समावेशी और नैतिक एआइ निवेश से ही भारत न सिर्फ तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बन पाएगा, बल्कि ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करेगा, जहां एआइ गरीबी, अशिक्षा और स्वास्थ्य असमानता को मिटाने का बड़ा हथियार बन जाता है और फलस्वरूप भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढऩे वाली अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

महाभारत में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कर्त्तव्य कर्म का सार सूत्र दिया। भगवान का अभिप्राय था कि अर्जुन ! कर्तृत्व लेकर होने वाला कर्म तो बंधन का हेतु है किंतु निमित्त बनकर जो कर्म होता है, उसका कर्म के किसी परिणाम से कुछ लेना देना नहीं है। इसे हम यों कह सकते हैं कि जैसे एक व्यक्ति द्वारा चलाई गई बंदूक की गोली से दूसरे व्यक्ति का प्राण चला जाए तो व्यक्ति की हत्या तो बंदूक के द्वारा हुई, लेकिन प्रश्न यह है कि न्यायालय में सजा किसको मिलेगी ? बंदूक को कि बंदूक चलाने वाले को ? इसका सीधा-सा तात्पर्य यह है कि बंदूक तो निमित्त है, और चलानेवाला कर्ता है। और भई ! यह आप निश्चित विश्वास रखिए कि दंड तो कर्ता को प्राप्त होता है, निमित्त को नहीं। इसलिए भगवान ने कहा कि अर्जुन ! यह तो मेरे लिए बहुत बढ़िया अवसर है, क्योंकि यदि तु मारने का यश पाता तो उसके साथ-साथ उसका परिणाम भी तो तुझे प्राप्त होता। पर जब तू निमित्त बनाकर कर्म करेगा तो उसका परिणाम यह होगा कि कर्म होते हुए भी तेरे अंत:करण में कर्तृत्व का अहंकार नहीं होगा। और तब अर्जुन ने भगवान के द्वारा दी गई दृष्टि को प्राप्त करने के पश्चात फिर युद्ध किया। इस प्रसंग पर तात्विक दृष्टि से विचार करने पर हमें ऐसा लगेगा कि यह केवल महाभारत के युद्ध का ही सत्य नहीं है, अपितु आज हमारे-आपके जीवन में इस सत्य की अत्यंत आवश्यकता है। इस प्रसंग का मुख्य तात्पर्य यह है कि जीवन-संग्राम में जिस व्यक्ति को कर्म करना है, उसे युद्ध से पहले गुरु अथवा भगवान से वह दृष्टि प्राप्त करनी चाहिए, जिस दृष्टि को प्राप्त करके हमारे अंत:करण में कर्तृत्व का अहंकार विनष्ट हो जाए और वह जीवन में सही-सही कर्म कर सके।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

सीटों के बजाय वोट-शेयर का पूर्वानुमान ज्यादा महत्वपूर्ण है

29 अप्रैल की शाम को असम, तमिलनाडु, केरल, बंगाल तथा पुडुचेरी के लिए जारी किए गए एग्जिट पोल कई नेताओं और दलों के लिए सुकून का कारण नहीं बन सके। कारण, कम से कम दो राज्यों- तमिलनाडु और बंगाल के लिए एग्जिट पोल के अनुमान एक-दूसरे से काफी भिन्न हैं। लेकिन असम व केरल में लगभग सभी एजेंसियों के बीच इस बात पर व्यापक सहमति दिखाई देती है कि कौन-सा दल या गठबंधन जीत रहा है।

अधिकांश एग्जिट पोल असम में भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन को निर्णायक बढ़त देते हैं, जबकि केरल में कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ की जीत का संकेत मिलता है। लेकिन बंगाल और तमिलनाडु में परिणाम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। कुछ एजेंसियों ने तो बंगाल के लिए एग्जिट पोल का अनुमान जारी करने को टालना तक उचित समझा है, क्योंकि वहां मतदान का दूसरा चरण 29 अप्रैल को ही समाप्त हुआ था और वे आंकड़ों को बेहतर ढंग से समझने के लिए थोड़ा समय लेना चाहते हैं।

इसे मैं एक विवेकपूर्ण निर्णय कहूंगा, क्योंकि कई बार मतदान आधिकारिक समय समाप्त होने तक भी लंबी कतारों के कारण जारी रहता है। हालांकि यह भी याद रखना चाहिए कि एक दिन और रुक जाना इस बात की कोई गारंटी नहीं देता कि सीटों का अनुमान अधिक सटीक हो जाएगा। आखिरकार तमिलनाडु में तो मतदान 23 अप्रैल को ही समाप्त हो गया था और एजेंसियों के पास आंकड़ों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त समय था, फिर भी विभिन्न एजेंसियों के अनुमान वहां भी एक-दूसरे से भिन्न हैं।

असम और केरल के लिए लगभग सभी एग्जिट पोल एक ही दिशा में संकेत दे रहे हैं, लेकिन इसका यह कारण नहीं है कि एजेंसियों को डेटा संग्रह और विश्लेषण के लिए असाधारण रूप से अधिक समय मिला था। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं- जैसे अपेक्षाकृत कम राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, सत्तारूढ़ दल या गठबंधन के सामने विपक्ष द्वारा पेश की गई चुनौती का स्वरूप, और अन्य फैक्टर्स। फिर भी, असम और केरल के एग्जिट पोल को सावधानी से पढ़ने की आवश्यकता है।

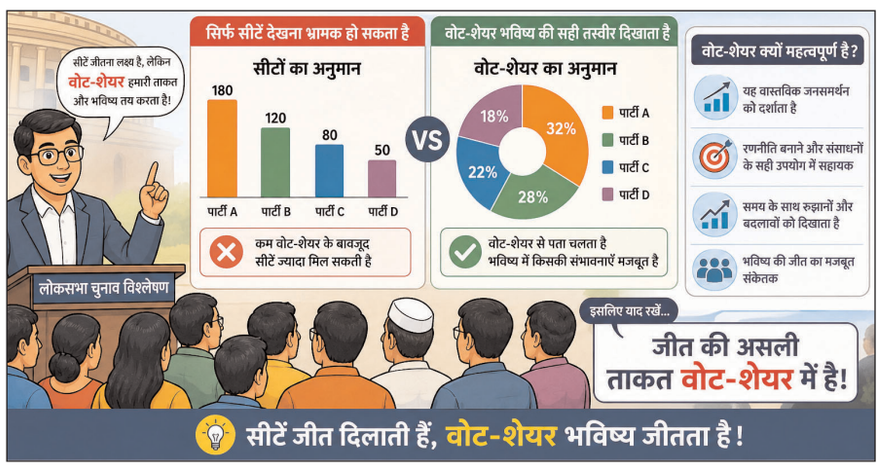

2024 के लोकसभा चुनाव में सभी एग्जिट पोल चूक गए थे; उन्होंने एनडीए के लिए 400 से अधिक सीटों का अनुमान लगाया था। इसी तरह, 2024 के हरियाणा चुनाव में भी लगभग सभी एजेंसियों के बीच कांग्रेस की बड़ी जीत को लेकर सहमति थी। यही स्थिति 2023 के छत्तीसगढ़ चुनाव में भी देखने को मिली, जहां एग्जिट पोल द्वारा कांग्रेस की निश्चित जीत का अनुमान लगाया गया था। बिहार विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल की सफलता का रिकॉर्ड मिश्रित रहा। कई ने एनडीए की जीत का अनुमान लगाया था, लेकिन किसी ने भी इतनी बड़ी जीत की भविष्यवाणी नहीं की थी।

तमिलनाडु में एग्जिट पोल के अनुमान कुछ जटिल प्रतीत होते हैं। जिन चार एग्जिट पोल पर मेरी नजर गई, उनमें से तीन ने डीएमके गठबंधन की जीत का अनुमान लगाया है, एआईएडीएमके गठबंधन को दूसरे स्थान पर और विजय के नेतृत्व वाली टीवीके को तीसरे स्थान पर रखा है, जबकि तमिलनाडु के संदर्भ में एक एग्जिट पोल अपवाद के रूप में सामने आता है।

जिस राज्य ने सबसे अधिक लोगों की सांसें थाम रखी हैं, वह बंगाल है। वहां चुनाव अत्यंत कड़े मुकाबले में लड़े गए हैं। अब तक सार्वजनिक किए गए अधिकांश एग्जिट पोल बंगाल में भाजपा की जीत का अनुमान लगा रहे हैं, हालांकि यहां भी एक एग्जिट पोल ऐसा है जो इस प्रवृत्ति से अलग, एक अपवाद के रूप में सामने आता है।

इस समय यह कहना कठिन है कि ये अनुमान 4 मई को आने वाले वास्तविक परिणामों की तुलना में कितने सटीक साबित होंगे। लेकिन मेरा मानना है कि यदि चुनाव-विश्लेषक गलत साबित होते हैं, तो इसका कारण मुख्यत: वोट-शेयर के अनुमान में त्रुटि हो सकता है। वोट-प्रतिशत में मामूली बदलाव भी सीटों की संख्या में बड़ा अंतर पैदा कर सकता है।

हमने ऐसे चुनाव देखे हैं, जहां किसी दल ने अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में कम वोट-प्रतिशत होने के बावजूद अधिक सीटें जीत ली हैं। हमारी चुनावी व्यवस्था- फर्स्ट पास्ट द पोस्ट प्रणाली- में यह जटिलता और बढ़ जाती है। इसमें कोई उम्मीदवार एक वोट से जीते या एक लाख वोटों से, दोनों ही स्थितियों में उसे केवल एक सीट ही मिलती है।

हालिया एग्जिट पोल्स ने विशेषकर तमिलनाडु और बंगाल के संदर्भ में यह बताने के बजाय कि वोट किस प्रकार पड़े होंगे, उलटे दुविधा और चिंता को और बढ़ाया है। इस बार एग्जिट पोल की संख्या भी अपेक्षाकृत कम है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सोलर प्रोजेक्ट दिलाने के नाम पर 53.60 लाख की ठगी

रायपुर। राजधानी रायपुर में सोलर स्ट्रीट लाइट प्रोजेक्ट दिलाने के नाम पर 53.60 लाख रुपए की ठगी की गई है। आरोपियों ने खुद को प्रभावशाली और राजनेताओं का करीबी बताकर कारोबारी को झांसे में लिया। रकम लेने के बाद न काम दिलाया गया, न पैसे लौटाए गए।

कारोबारी की शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। आरोपी राहुल शुक्ला समेत अन्य बताए जा रहे हैं। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

सरकारी ठेका दिलाने का भरोसा दिया

खम्हारडीह पुलिस के अनुसार कचना के रहने वाले कारोबारी अंकित गोयल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि साल 2024 में उसकी पहचान नयनित खेड़िया के माध्यम से राहुल शुक्ला से हुई थी। राहुल ने खुद को बड़े नेताओं और अफसरों से जुड़ा बताकर भरोसा दिलाया कि वह बस्तर संभाग की सभी ग्राम पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का सरकारी ठेका दिला सकता है। उसने यह भी कहा कि हर स्ट्रीट लाइट करीब 48 हजार रुपए का भुगतान होगा, जिससे अच्छा मुनाफा कमाया जा सकेगा। आरोप है कि राहुल शुक्ला, उसकी पत्नी और अन्य ने मिलकर सुनियोजित तरीके से कारोबारी को झांसे में लिया। अलग-अलग समय पर नकद और बैंक ट्रांसफर से कुल 53.60 लाख रुपए लिए गए। शुरुआत में काम जल्द मिलने का भरोसा दिया गया, लेकिन समय बीतने के साथ आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी।

टेंडर से जुड़े फर्जी दस्तावेज दिखाए

पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने भरोसा जीतने के लिए जैंको कंपनी और सरकारी टेंडर से जुड़े फर्जी दस्तावेज दिखाए। लंबे समय तक कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला और पैसे मांगने पर टालमटोल होती रही, तब ठगी का एहसास हुआ।

रायपुर में बाइक सवार ने महिला से चेन लूटी : घर के बाहर पानी भरने गई महिला से वारदात

रायपुर। राजधानी रायपुर में चेन स्नैचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। खम्हारडीह इलाके में घर के बाहर पानी भर रही महिला से अज्ञात बदमाश ने सोने की चेन झपट ली और फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक पीड़िता का नाम हेमलता वैध है। खम्हारडीह पुलिस के अनुसार घटना सुबह 6:40 बजे की है। शंकर नगर स्थित चावला टॉवर के पास रहने वाली हेमलता वैध 29 अप्रैल की सुबह करीब 6:40 बजे अपने घर के मुख्य गेट के पास पानी भरने के लिए पाइप लगा रही थीं। इसी दौरान एक युवक उनके पास आया और गोलछा अपार्टमेंट का पता पूछने लगा। महिला ने उसे पता बताया और जैसे ही वह अंदर जाने के लिए मुड़ीं, आरोपी ने पीछे से दौड़कर उनके गले में पहनी करीब 2 तोला वजनी सोने की चेन झपट ली।

90 हजार की थी चेन

अचानक हुई इस वारदात से महिला घबरा गईं और उन्होंने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर परिजन और आसपास मौजूद गार्ड मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी बाइक पर सवार होकर फरार हो चुका था। बताया जा रहा है कि झपटी गई सोने की चेन की कीमत करीब 90 हजार रुपए है।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही खम्हारडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। पुलिस को आशंका है कि आरोपी पहले से इलाके की रेकी कर चुका था। फिलहाल अज्ञात आरोपी के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

चार दशक की राजनीति, संघर्ष से शिखर तक... केक में दिखा बृजमोहन का सफर

बृजमोहन के समर्थकों ने अनोखे अंदाज में मनाया जन्मदिन का जश्न

गरियाबंद। रायपुर से सांसद और प्रदेश भाजपा की राजनीति के मजबूत आधार स्तंभ बृजमोहन अग्रवाल के जन्मदिन पर इस बार जश्न कुछ अलग अंदाज में नजर आया। उनके चार दशक लंबे राजनीतिक सफर, संघर्ष, संगठन और सत्ता तक की यात्रा को एक विशेष थीम केक में उकेरकर समर्थकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह खास केक पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने भेंट किया, जिसमें बृजमोहन के राजनीतिक जीवन के अहम पड़ावों को सहेजा गया था।

केक की थीम में छात्र राजनीति से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति तक का उनका सफर दिखाया गया। संगठन के कार्यकर्ता से लेकर मंत्री और सांसद बनने तक की उनकी राजनीतिक यात्रा, संघर्ष और उपलब्धियों को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके राजनीतिक जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को भी थीम का हिस्सा बनाया गया।

हर साल की तरह इस बार भी 30 अप्रैल की रात से ही समर्थकों का मौलश्री पहुंचना शुरू हो गया था। रात 12 बजे केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। गरियाबंद समेत आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे समर्थकों ने बृजमोहन अग्रवाल के प्रति अपना सम्मान और जुड़ाव जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

अब्दुल गफ्फार मेमन ने कहा कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल का राजनीतिक जीवन समर्पण, संगठन और जनसेवा की मिसाल है। शिक्षा, नगरीय प्रशासन, संस्कृति, पर्यटन और जल संसाधन जैसे विभागों में उनकी कार्यशैली और निर्णयों ने प्रदेश के विकास को नई दिशा दी है।

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, महामंत्री आशीष शर्मा, कोषाध्यक्ष अजय रोहरा, जिला मंत्री सुरेंद्र सोनटेके, अमोल गरुडी आईटी सेल संभाग प्रभारी सागर मयाणी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सौरभ मिश्रा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी अमित वखारिया, प्रतीक सिंह, , ऋषिकांत मोहरे, सीए सुब्रत पात्र और नमन सेन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इलाज से पहले ही थकान...:अंबेडकर में डॉक्टर तक पहुंचने में लगे 3 घंटे; डीकेएस में एक्सरे-रिपोर्ट में देरी

रायपुर। राजधानी के बड़े सरकारी अस्पतालों में इलाज से ज्यादा समय मरीजों को कतारों में बिताना पड़ रहा है। डीकेएस और अंबेडकर अस्पताल की ग्राउंड रिपोर्ट में पर्ची, जांच और रिपोर्ट तक लंबा इंतजार सामने आया। ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आया कि मरीज इलाज से ज्यादा समय कतारों में खड़ा रहता है।

पर्ची, डॉक्टर, जांच और रिपोर्ट हर स्तर पर लंबा इंतजार है। गर्मी और भीड़ के बीच मरीज की स्थिति और बिगड़ती है। अस्पतालों में एक्सरे तो हो जाता है, लेकिन एमआरआई, सोनोग्राफी और सीटी स्कैन के लिए अगले दिन या लंबी तारीख दी जाती है। इससे इलाज शुरू होने में देरी होती है।

अंबेडकर अस्पतालः पर्ची से एक्सरे तक 3.5 घंटे का सफर

अंबेडकर अस्पताल में सुबह 9:30 बजे पहुंचने पर भारी भीड़ मिली। आधे घंटे बाद पर्ची बनी, जो निशुल्क थी। इसके बाद 50 नंबर काउंटर, फिर सील और फिर डॉक्टर के लिए लंबी कतार का सामना करना पड़ा। करीब 11 बजे डॉक्टर ने एक्सरे कराने कहा। एक्सरे विभाग में फिर बिलिंग और कमरे बदलने की प्रक्रिया चली। 11:30 बजे के बाद एक्सरे के लिए 21 नंबर कमरे में भेजा गया, जहां फिर इंतजार करना पड़ा। सुबह 9:30 से शुरू हुआ यह पूरा प्रोसेस दोपहर 1 बजे एक्सरे तक पहुंचा। रिपोर्ट के लिए डॉक्टर के पास जाने पर पता चला कि रिपोर्ट मोबाइल पर अपलोड नहीं हुई है। जांच में सामने आया कि स्टाफ ने नाम गलत दर्ज कर दिया था। सुधार के बाद ही रिपोर्ट मिली और दवा लिखी गई।

डीकेएस अस्पतालः डीकेएस अस्पताल में न्यूरो मरीज को सबसे पहले पर्ची के लिए ही एक घंटे तक कतार में खड़ा रहना पड़ा। सुबह 10 बजे पहुंचने के बाद 11 बजे पर्ची बन पाई। इस दौरान एसी बंद थी, कूलर भी गर्मी में बेअसर रहे और मरीज-परिजन पसीने से तर रहे।

पर्ची के बाद डॉक्टर के कमरे के बाहर दो घंटे का इंतजार करना पड़ा। करीब 1 बजे नंबर आया। मरीज ने हाथ में झुनझुनी, गर्दन से पीठ और कमर तक दर्द की शिकायत बताई। डॉक्टर ने एमआरआई कराने कहा, लेकिन बिलिंग के बाद जानकारी मिली कि एमआरआई के लिए अगले दिन आना होगा। इस पर एक मरीज ने कहा कि इससे अच्छा निजी अस्पताल चले जाते।

अस्पतालों में भीड़ ज्यादा, इसलिए लगता है समय

अंबेडकर अस्पताल में रोजाना ढाई से तीन हजार की ओपीडी रहती है। भीड़ ज्यादा होने से इलाज में कुछ समय लगता है। लेकिन पहले की अपेक्षा जांच और अन्य इलाज में अभी तेजी आई है। सभी मरीजों को समय पर इलाज मिले, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। -**डॉ. संतोष सोनकर, अंबेडकर**

समय तो लगता ही है...

डीकेएस में गंभीर मरीज इलाज के लिए आते हैं। उन्हें देखने में समय भी लगता है। जहां तक जांच की बात है, भर्ती और ओपीडी दोनों मरीजों की जांच होती है, इसलिए थोड़ा समय लगता है। हमारी कोशिश रहती है कि मरीजों को त्वरित इलाज मिले। -**डॉ. हेमंत शर्मा, उपअधीक्षक, डीकेएस**

लिफ्ट में फंसी आईएएस अधिकारी की पत्नी, मची अफरा-तफरी

रायपुर। जिम जाने के लिए लिफ्ट का उपयोग कर रही थीं, तभी अचानक लिफ्ट बीच में ही रुक गई और तकनीकी खराबी आ गई। लिफ्ट रुकते ही वह घबरा गईं और कुछ समय तक अंदर ही फंसी रहीं।

रायपुर के एक बिल्डिंग्स में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक आईएएस अधिकारी की पत्नी अचानक लिफ्ट में फंस गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही तकनीकी टीम और बचाव दल मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया।

पूरी घटना फाफाडीह स्थित पिथालिया कॉम्प्लेक्स का है, जहां गुरुवार सुबह लगभग 8 बजे एक आईएएस अधिकारी की पत्नी लिफ्ट में फंस गईं। जानकारी के अनुसार आईएएस अधिकारी सिद्धार्थ कोमल परदेशी की पत्नी गार्गी परदेशी सुबह जिम जाने के लिए लिफ्ट का उपयोग कर रही थीं, तभी अचानक लिफ्ट बीच में ही रुक गई और तकनीकी खराबी आ गई। लिफ्ट रुकते ही वह घबरा गईं और कुछ समय तक अंदर ही फंसी रहीं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य और नगर निगम के अधिकारी सक्रिय हुए और तुरंत मौके पर पहुंचने की प्रक्रिया शुरू की गई। नगर निगम की जोन क्रमांक-2 की टीम को तत्काल भेजा गया, जिन्होंने लिफ्ट को खोलने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर में ग्रीन आर्मी का जल संरक्षण अभियानः

70 वार्डों में 700 वॉटर वारियर्स तैयार होंगे, जल बचाओ-भविष्य बचाओ का लिया संकल्प

रायपुर। इस अभियान के तहत शहर के 70 वार्डों में 700 'वॉटर वारियर्स' तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। रायपुर में ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ द्वारा 'पानी बचाओ जन-जागरूकता अभियान' का आयोजन वृंदावन हॉल, सिविल लाइन में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा तथा उद्यमी राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अभियान के तहत शहर के 70 वार्डों में 700 'वॉटर वारियर्स' तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने जल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए जनभागीदारी पर जोर दिया। अतिथियों ने नागरिकों को जल बचाने की शपथ दिलाई और कहा कि सामूहिक प्रयास से ही जल संकट का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने ग्रीन आर्मी के इस अभियान की सराहना करते हुए हर स्तर पर सहयोग का भरोसा दिलाया।

ग्रीन आर्मी ने बताए समाधान और जिम्मेदारी

ग्रीन आर्मी के पदाधिकारियों ने जल संरक्षण के महत्व को विभिन्न माध्यमों से प्रस्तुत किया। संरक्षक राजेश अग्रवाल ने 'हर बूंद की रक्षा' का संदेश दिया, वहीं संस्थापक अमिताभ दुबे ने लोगों को प्रेरित करते हुए जल बचाने का संकल्प दोहराया। मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने प्रस्तुति के जरिए बढ़ते जल संकट और उसके समाधान पर जानकारी दी, जबकि जिला अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा ने सामाजिक भागीदारी को जरूरी बताया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, युवाओं, महिलाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी रही। विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय हिस्सा लिया और अपनी जागरूकता दिखाई। अंत में सभी ने 'जल बचाओ-भविष्य बचाओ' का संकल्प लेते हुए इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया।

रायपुर पुलिस का ऑपरेशन तलाश...226 गुमशुदा सुरक्षित बरामद

रायपुर। रायपुर पुलिस ने अप्रैल माह में चलाए गए 'ऑपरेशन तलाश' अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। परिजनों की शिकायतों के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान में पश्चिम क्षेत्र के 9 थानों की समन्वित कार्रवाई से कुल 226 गुमशुदा लोगों को खोजा गया, जिनमें 213 वयस्क और 13 नाबालिग बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने विशेष रूप से नाबालिगों की सुरक्षित बरामदगी को प्राथमिकता देते हुए संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की।

पश्चिम जोन के अफसरों ने चलाया अभियान यह अभियान पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्तों के निर्देशन में संचालित हुआ। आजाद चौक, सरस्वती नगर, कबीर नगर, पुरानी बस्ती, डीडी नगर, आमानाका, न्यू राजेंद्र नगर, टिकरापारा और मुजगहन थाना क्षेत्रों में लगातार टीमों का गठन कर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तकनीकी संसाधनों, मुखबिर तंत्र और फील्ड इंटेलिजेंस के माध्यम से गुमशुदा लोगों तक पहुंच बनाई गई।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपको समझदारी का इम्तिहान देगा। खर्चों पर कंट्रोल रखना होगा और हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा। सेहत को हल्के में न लें, और परिवार के मामलों को शांति से सुलझाएं। जीवनसाथी की परेशानी दूर होती दिखेगी, लेकिन उधार लिया धन वापस मांग लिया जाए तो हैरान न हों। बड़ा रिस्क लेने से बचना ही समझदारी होगी।

वृषभ। आज किस्मत आपका साथ देने के मूड में है। जिस काम में हाथ डालेंगे, सफलता आपके कदम चूमेगी। निवेश से फायदा मिलेगा और बिजनेस में रफ्तार बढ़ेगी। बस रिश्तों में संतुलन बनाए रखें। खासकर जीवनसाथी और माता जी के साथ शब्दों का ध्यान रखें, वरना छोटी बात बड़ा रूप ले सकती है। दूर रह रहे किसी प्रियजन की याद आपको भावुक कर सकती है।

मिथुन। आज दिमाग आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराने पैसे भी वापस मिल सकते हैं। आप अपने फैसलों से दूसरों को चौंका देंगे। घूमने-फिरने का प्लान बनेगा और पुण्य कार्यों में मन लगेगा। बस एक बात याद रखें। जल्दबाजी आपका खेल बिगाड़ सकती है। संतान किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकती है, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा।

कर्क। आज अधूरे काम पूरे करने का दिन है, नहीं तो आगे चलकर परेशानी बन सकते हैं। वाहन चलाते समय खास सावधानी रखें। वैवाहिक जीवन में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है, इसलिए बातचीत बनाए रखें। घर में किसी शुभ आयोजन की हलचल आपको व्यस्त रखेगी। अपनी क्षमताओं को पहचानें और उसी अनुसार काम करें। आसपास के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करना सही नहीं रहेगा।

सिंह। आज आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ने वाला है। मीठी वाणी से सम्मान मिलेगा और ऑफिस में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आप आगे बढ़ेंगे, लेकिन मन में किसी के लिए जलन न रखें। यात्रा के दौरान अपने सामान का ध्यान रखें, और फोकस बनाए रखने की कोशिश करें। खर्चों पर नियंत्रण रखें, नहीं तो कर्ज बढ़ सकता है। हालांकि सेहत में पहले से सुधार महसूस होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। पिताजी की सेहत चिंता का कारण बन सकती है।

कन्या। आज भागदौड़ भरा दिन रहेगा। काम के चलते यात्राएं होंगी और थकान महसूस हो सकती है। परिवार को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, खासकर पैतृक संपत्ति के मामलों में सतर्क रहें। जो जिम्मेदारी मिले, उसे पूरी ईमानदारी से निभाएं। वरना बड़े नाराज हो सकते हैं। काम के प्रति संतुष्टि महसूस करेंगे। माता-पिता की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतें। यदि प्रॉपर्टी खरीदने का विचार है, तो लोन में थोड़ी अड़चन आ सकती है।

तुला। आज खुशियों की दस्तक आपके घर आ सकती है। परिवार में नए सदस्य के आने या शादी-ब्याह की तैयारियों से माहौल खुशनुमा रहेगा। लेकिन हर बात हर किसी से शेयर न करें।कुछ लोग इसका फायदा उठा सकते हैं। दूसरों की बातों में आकर फैसले लेना नुकसानदेह हो सकता है। दिखावे से दूर रहकर सादगी अपनाना ही समझदारी है।

वृश्चिक। आज का दिन खुशी और व्यस्तता दोनों साथ लाएगा। काम का दबाव थोड़ा परेशान करेगा, लेकिन छोटे-छोटे फायदे आपको संतुष्ट रखेंगे। पड़ोस में विवाद जैसी स्थिति बन सकती है, इसलिए शांत रहें। करियर को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। विद्यार्थियों को मेहनत ज्यादा करनी होगी। प्रॉपर्टी खरीदने या नया वाहन लेने का सपना पूरा हो सकता है। कुछ अनचाहे खर्च सामने आएंगे, लेकिन आप उन्हें संभाल लेंगे।

धनु। आज का दिन आपके लिए सफलता और संतोष लेकर आएगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता जरूर मिलेगी। जीवनसाथी को नई नौकरी मिलने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा। दान-पुण्य और धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। हालांकि घरेलू जरूरतों को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। एक के बाद एक अच्छी खबर आपका इंतजार कर रही है। घर में मांगलिक कार्यक्रम का माहौल बन सकता है।

मकर। आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। जल्दबाजी में लिए फैसले नुकसान करा सकते हैं। पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुशी देगी और दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। लोन मिलने के योग हैं, लेकिन समय और पैसे दोनों का सही प्रबंधन जरूरी है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत होगी। घर-परिवार की समस्याओं को सुलझाने का अवसर मिलेगा। पिताजी की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक साबित होगी। परिवार में किसी नए मेहमान के आने से खुशियां बढ़ेंगी।

कुंभ। आज बिजनेस में फायदा तो होगा, लेकिन कुछ तकनीकी अड़चनें परेशान कर सकती हैं। अनुभव का सही इस्तेमाल आपको आगे बढ़ाएगा। ससुराल पक्ष से कोई मिलने आ सकता है, लेकिन निजी बातें शेयर करने से बचें। छोटी यात्रा के योग हैं और जीवनसाथी से पारदर्शिता बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का फायदा मिलेगा और आपकी साख मजबूत होगी। धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं। हालांकि माताजी की सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। पिताजी की कोई बात आपको थोड़ी खल सकती है।

मीन। आज मेहनत ही आपकी पहचान बनाएगी। दोस्त से मुलाकात और परिवार के साथ समय आपको खुश रखेगा। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। जरूरत पड़ने पर आर्थिक मदद भी मिल जाएगी। किसी समस्या का समाधान पाने के लिए अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। कोई बड़ा जोखिम न लें। आसपास के लोगों से तालमेल अच्छा रहेगा और राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है। नए घर से जुड़े काम की शुरुआत हो सकती है। कोई आपसे धन उधार मांग सकता है। सोच-समझकर फैसला लें। परिवार के साथ समय बिताएं और बेवजह दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें।

कभी 22,000 कामगार थे, अभी 2200 कर्मी ही बचे...:29 माह से वेतन नहीं, चाय दुकान और ऑटो चलाकर गुजारा कर रहे एचईसी के कामगार

रांची। रांची की पहचान ऐतिहासिक औद्योगिक इकाई एचईसी आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। स्थापना वर्ष 1958 में इस संस्थान की परिकल्पना भारत में भारी उद्योगों और फैक्ट्रियों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई थी। एचईसी ने देश को भारी मशीनों और उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई और स्टील, ऊर्जा तथा रक्षा क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण मशीनें तैयार कीं।

एक समय यहां लगभग 22,000 कर्मचारी कार्यरत थे, लेकिन आज यह संख्या घटकर केवल लगभग 900 स्थायी कर्मचारी और 1300 अनुबंध कर्मियों तक सीमित रह गई है। वर्ष 2017 के बाद से कंपनी की वित्तीय स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई। इसके बाद 2018 से स्थायी सीएमडी की नियुक्ति नहीं हो सकी और वर्तमान में भेल के सीएमडी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि कर्मियों को पिछले 29 महीनों से वेतन नहीं मिला है। यह केवल एक कंपनी का संकट नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के सम्मान का प्रश्न है।

2200 करोड़ से ज्यादा की देनदारियां एचईसी पर कुल कर्ज और बकाया 2200 करोड़ से अधिक हो चुका है। इसमें बिजली विभाग का करीब 280 करोड़ रुपए बकाया है। इसके अलावा बैंक का कर्ज, कर्मचारियों का वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी जैसी देनदारियां अलग से हैं। एचईसी की करीब 250 करोड़ की बैंक गारंटी खत्म हो गई है। इस वजह से प्रत्येक माह बैंक को तीन करोड़ रुपए ब्याज चुकाना पड़ रहा है।

अभी भी 450 करोड़ रुपए के वर्कऑर्डर: वर्तमान में एचईसी के पास करीब 450 करोड़ रुपए के वर्कऑर्डर हैं। ये वर्कऑर्डर एनसीएल, भिलाई स्टील, सीसीएल, भेल, बीसीएल आदि कंपनियों के हैं। इनमें क्रेन, खनन मशीन, क्रशर, शॉवेल, फाउंड्री और फोर्जिंग उत्पाद, क्रेन और मटेरियल हैंडलिंग, भारी मशीन टूल्स आदि के वर्कऑर्डर हैं।

क्या कहते हैं कामगार...

चाय की दुकान लगाने को विवश : राजेश कुमार

एचईसी के स्थायी कर्मचारी राजेश कुमार का कहना है कि आर्थिक दबाव बढ़ने के कारण अब चाय की दुकान लगाकर घर का खर्च चला रहे हैं। उनका पिछले दो साल से अधिक का वेतन बकाया है।

ऑटो चला घर का खर्च पूरा कर रहा हूं : संजीव

स्थायी कर्मचारी संजीव तिर्की ने कहा कि कर्ज में डूबे हैं। बैंक से लोन भी नहीं मिल पा रहा। घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। इसी वजह से खाली समय में ऑटो चलाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

आज से दो बदलाव, जो हम पर डालेंगे असर...:मुंबई, हैदराबाद व दिल्ली के लिए नई विमान सेवा आज से

रांची। रांची से यात्रा करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। एयर इंडिया एक्सप्रेस गर्मी की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए 1 मई से 30 जून तक तीन नई स्पेशल फ्लाइट शुरू करने जा रही है। ये सभी फ्लाइट्स रोजाना (सप्ताह के सातों दिन) चलेंगी, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। इन नई उड़ानों के जरिए रांची से सीधे मुंबई, हैदराबाद और दिल्ली जाया जा सकेगा। तय समय के अनुसार, फ्लाइट नंबर 2373 रांची से दोपहर 3 बजे उड़ान भरकर शाम 5.40 बजे मुंबई पहुंचेगी।

वहीं, फ्लाइट नंबर 2375 रात 9.30 बजे रांची से हैदराबाद के लिए रवाना होकर 11.40 बजे पहुंचेगी। दिल्ली जाने वाली फ्लाइट नंबर 2379 दोपहर 12 बजे उड़ान भरकर 2.10 बजे दिल्ली पहुंच जाएगी। वहीं, वापसी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। हैदराबाद से फ्लाइट नंबर 2372 दोपहर 12.40 बजे उड़ान भरकर 2.30 बजे रांची पहुंचेगी। मुंबई से फ्लाइट नंबर 2374 शाम 6.30 बजे चलकर रात 9 बजे रांची आएगी, जबकि दिल्ली से सुबह 9.30 बजे उड़ान भरकर 11.30 बजे रांची पहुंचने का समय तय किया गया है।

इंडिगो भी बंबई के लिए समर स्पेशल फ्लाइट सेवा शुरू कर रही है। ये विमान सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उड़ान भरेंगे। रांची से फ्लाइट नंबर 6ढ़938 दिन के 11.05 बजे उड़ान भरेंगी और मुंबई 1.25 बजे पहुंचेगी। वहीं, फ्लाइट नंबर 6ढ़924 मुंबई से सुबह 8.10 बजे उड़ान भरेगी और रांची 10.35 बजे पहुंचेगी। यह विमान भी 1 से 31 मई तक उड़ान भरेगी।

5 किलो एफटीएल गैस सिलेंडर पर नए नियम आज से

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 किलो वाले छोटे गैस सिलेंडर (एफटीएल) को लेकर नए नियम लागू किए हैं। मंत्रालय के निर्देश के अनुसार 1 मई से एफटीएल सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ता का आधार नंबर या मोबाइल नंबर देना जरूरी होगा।

इसके साथ ही सिस्टम में डी-डुप्लिकेशन व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे यह जांच हो सके

दो महत्वपूर्ण मामलों में दिए गए अहम आदेश : हिरासत में मौत मामले पर गृह सचिव व जेल आईजी को पेश होना होगाः हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हिरासत में कथित यातना और मौत के मामले में दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस एसएन प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की अदालत में सरकार ने युवक के स्वास्थ्य संबंधी दस्तावेज पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा।

सरकार की ओर से कहा गया कि जेल अधीक्षक के सेवानिवृत्त होने के कारण रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हो सका है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि दस्तावेज पेश करने में बहाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अदालत ने 5 मई तक हर हाल में रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर जेल आईजी व गृह सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा। मामले में पलामू सीजेएम कोर्ट ने संबंधित युवक के खिलाफ दर्ज केस का मूल रिकॉर्ड पेश किया। याचिका में आरोप है कि 1 मार्च 2025 को महफूज अहमद को पुलिस ने हिरासत में लेकर मारपीट की थी।

हाईकोर्ट ने जेलों में चिकित्सकों की कमी का मामला चीफ जस्टिस के पास भेजा

झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को राज्य की जेलों में चिकित्सकों की कमी पर संज्ञान से दर्ज मामले की सुनवाई हुई। जस्टिस एसएन प्रसाद की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए इस मामले को चीफ जस्टिस के कोर्ट में भेज दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह बात सामने आई कि राज्य की जेलों में चिकित्सक के 43 स्वीकृत पद हैं, लेकिन उन स्वीकृत पदों में से मात्र 1 पद पर ही चिकित्सक कार्यरत है। शेष 42 पद खाली हैं।

8 मई से मिलेगी बिजलीःरांची के गेतलसूद में 100 मेगावाट का राज्य का पहला फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट तैयार

रांची। 800 करोड़ की लागत वाले प्लांट का उद ?घाटन कर सकते हैं सीएम

रांची के गेतलसूद डैम में राज्य का पहला फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट बनकर तैयार हो गया है। 100 मेगावाट वाले इस पावर प्लांट का उद्घाटन 8 मई को होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से समय लेने का प्रयास किया जा रहा है।

इस प्लांट से उत्पादित बिजली हटिया व नामकुम ग्रिड को मिलेगी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) इसकी आपूर्ति करेगा। यह बिजली सस्ती होगी। इसके लिए जेबीवीएनएल विद्युत नियामक आयोग में पिटीशन दायर करेगी। जेबीवीएनएल सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) ने करीब 800 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण कराया है।

इसलिए खास है तैरता हुआ प्लांट

172 हेक्टेयर में फैला यह प्लांट न केवल बिजली बनाएगा, बल्कि डैम के पानी को भाप बनकर उड़ने से भी रोकेगा। यानी बिजली भी मिलेगी और जल संरक्षण भी होगा।

जमीन के मुकाबले पानी की सतह पर सोलर पैनल ज्यादा ठंडे रहते हैं। इससे उनकी कार्यक्षमता बढ़ जाती है। यह स्वच्छ ऊर्जा का बड़ा उदाहरण होगा, जो कार्बन उत्सर्जन कम करेगा।

आगे क्या...पांच साल में तीन दर्जन डैम और जलाशयों में लगेंगे प्लांट

सरकार ने अगले पांच साल में तीन दर्जन से अधिक डैम और जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा है। चांडिल डैम में 600 मेगावाट के प्लांट के लिए ज्रेडा ने सर्वे का काम पूरा कर लिया है। तेनुघाट डैम में भी 400 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगना है। इसके अलावा बोकारो और गुमला में ऊपरी शंख डैम में भी प्लांट लगाने की राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। इस पर भी इसी साल काम शुरू होने की उम्मीद है।

राकोष में घोटालाःएएसआई ने गबन के पैसे से खड़ा किया महल

रांची। बोकारो एसपी ऑफिस के एएसआई अशोक भंडारी के आवास पर छापेमारी में मिले दस्तावेज- बोकारो से कौशल पांडेय का एक सहयोगी हिरासत में

बोकारो एसपी ऑफिस के अकाउंट सेक्शन में तैनात एएसआई अशोक कुमार भंडारी ने गबन के पैसों से आलीशान मकान खड़ा कर दिया। उसने बोकारो के तेलीडीह इलाके में करीब 4.08 डिसमिल जमीन पर तीन मंजिला आलीशान मकान बनाया। वहीं 4.98 डिसमिल का एक कीमती प्लॉट भी खरीदा।

एसआईटी को छापेमारी के दौरान गुरुवार को भंडारी के बोकारो स्थित आवास से इन संपत्तियों के कागजात मिले। इसे जब्त कर लिया गया है। वहीं कौशल पांडेय के सहयोगी काजल मंडल को भी एसआईटी ने हिरासत में लिया है। पूछताछ के लिए उसे रांची ले जाया गया है। एसआईटी के अधिकारियों के मुताबिक यह संपत्ति उसकी वैध आय से कहीं अधिक की है। इससे साफ संकेत मिलता है कि जमीन में निवेश कर उसने गबन की राशि को सफेद बनाने की कोशिश की। कई अन्य खाते, संपत्ति और संदिग्ध लेनदेन का भी पता चला है, जिसकी जांच जारी है। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने घोटाले की रकम को सीधे खर्च नहीं किया, बल्कि अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर उसे सुरक्षित रखा। एसआईटी को बोकारो में अब तक करीब 10 करोड़ रुपए के घोटाले का पता चला है। इसमें से आरोपियों के खातों में जमा करीब 1.80 करोड़ रुपए को फ्रीज करा दिया है। बार-बार ओटीपी बताने के झंझट से बचने के लिए लेखापाल को मोबाइल दे देते थे डीडीओ जांच में पता चला है कि बार-बार ओटीपी बताने के झंझट से बचने के लिए डीडीओ अपना मोबाइल लेखापाल को दे देते थे।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

		8	2		9	1		
			6		5			
4								9
6	5			9			8	4
			5		7			
7	8			6			9	5
8								3
			7		8			
		3	9		1	8		

पिछले अंक का उत्तर

5	3	8	2	7	9	1	4	6
1	7	9	6	4	5	2	3	8
4	2	6	8	1	3	5	7	9
6	5	1	3	9	2	7	8	4
3	9	4	5	8	7	6	1	2
7	8	2	1	6	4	3	9	5
8	1	7	4	2	6	9	5	3
9	6	5	7	3	8	4	2	1
2	4	3	9	5	1	8	6	7

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

रात 12 बजे बदलावःकॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 रुपए महंगा हुआ

रांची। मई के पहले ही दिन तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को बड़ा झटका दिया है। इंडियन ऑयल ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 994 रुपए की बढ़ोतरी कर दी है। यह बढ़ोतरी एक मई से लागू हो गई है। बढ़ोतरी के बाद अब रांची में 19 किलो के कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 2256.50 रुपए से बढ़कर 3250.50 रुपए हो गई है। वहीं 47 किलो वाले सिलेंडर की कीमत में भी 2485 रुपए की बढ़ोतरी की है। यह अब 5635 रुपए से बढ़कर 8120 रुपए हो गई है।

पाटीदार के कैच पर विवाद, अंपायर से नाखुश दिखे कोहली:भुवनेश्वर के टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट, गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने **IPL** 2026 में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया। अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में गुजरात ने 25 गेंद रहते 156 रन का टारगेट हासिल किया।

यह **IPL** में गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। भुवनेश्वर कुमार टी20 में 350 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। की पारी के दौरान रजत पाटीदार के कैच को लेकर विराट कोहली अंपयार से बहस करते दिखे।

1. भुवनेश्वर कुमार ने टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे किए

बेंगलुरु के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पुरुष टी-20 क्रिकेट में अपने 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भुवी से पहले युजवेंद्र चहल यह कारनामा कर चुके हैं। चहल 391 विकेट के साथ टॉप पर हैं। भुवी ने बुमराह और अश्विन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

2. गुजरात का दूसरा सबसे तेज रन चेज

गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को आरसीबी के खिलाफ 25 गेंद रहते जीत दर्ज की। यह गुजरात के इतिहास का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। सबसे ज्यादा गेंद रहते उनकी सबसे बड़ी जीत 2023 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आई थी। तब टीम ने 37 गेंद रहते टारगेट हासिल किया था।

1. कोहली ने रबाडा के ओवर में लगातार 5 चौके मारे

विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ एक ओवर में 5 चौके मारे। उन्होंने कगिसो रबाडा पहली गेंद से ही प्रहार किया। उन्होंने पहली गेंद को मिडविकेट, दूसरी को मिड ऑफ, तीसरी को डिप प्वाइंट पर चौका जड़ा। चौथी गेंद को थर्ड मैन और पांचवी गेंद को कवर पर चार रन के लिए भेजा।

2. पाटीदार के कैच पर अंपायर के फैसले से नाराज दिखे कोहली

बेंगलुरु की पारी के 8वें ओवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। अरशद खान के ओवर की चौथी गेंद पर रजत पाटीदार ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर गई, जहां जेसन होल्डर ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। इस दौरान डग आउट पर बैठे विराट कोहली अंपायर के फैसले से नाराज दिखे। उनका मानना था कि कैच क्लीन नहीं है। हालांकि थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखकर आउट दिया था।

3. वेंकटेश अय्यर को कोहनी पर गेंद लगी

18वें ओवर में अरशद खान की तीखी शॉर्ट पिच गेंद वेंकटेश अय्यर की कोहनी पर जा लगी। इसके बाद वह काफी दर्द में नजर आए। अय्यर पुल शॉट मारने की कोशिश में जल्दी बल्ला घुमा बैठे और गेंद सीधे उनकी कोहनी पर जा लगी। फिजियो को तुरंत मैदान पर आना पड़ा। हालांकि अय्यर ने बल्लेबाजी जारी रखी।

4. बेंगलुरु की पारी में 23 गेंद बाद लगी बाउंड्री

बेंगलुरु की पारी के दौरान 14 से 18 ओवर के बीच 23 गेंद तक कोई बाउंड्री नहीं लगी। आखिरकार 18वें ओवर में अरशद खान की चौथी गेंद पर चौका लगाकर भुवनेश्वर कुमार ने बाउंड्री का सूखा खत्म किया। इससे पहले 14वें ओवर में राशिद खान की चौथी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड ने छक्का लगाया था।

5. रनआउट से सिमटी बेंगलुरु की पारी

पहली पारी के 20वें ओवर में बेंगलुरू ऑलआउट हो गई। ओवर की दूसरी गेंद पर रनआउट के जरिए टीम इस सीजन पहली बार ऑलआउट हुई। अरशद खान की गेंद पर जोश हेडलवुड ने पुश कर सिंगल चुराने की कोशिश की, लेकिन शुभमन गिल ने डायरेक्ट थ्रो पर स्टंप बिखेर दी।

6. गिल ने हेजलवुड के ओवर में 24 रन बनाए

गुजरात की पारी के दूसरे ओवर में शुभमन गिल ने 24 रन बना दिए। उन्होंने हेजलवुड के इस ओवर में 3 चौके और 2 छक्के जड़े। गिल ने पहली, दूसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद पर छक्का और पांचवी गेद पर चौका जड़ा। फिर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगा ओवर खत्म किया।

7. जितेश शर्मा ने बटलर का कैच छोड़ा

दूसरी पारी के चौथे ओवर में जोश बटलर का कैच छूटा। जोश हेजलवुड ने ओवर की 5वीं गेंद शॉर्ट डाली। बटलर ने स्कूप मारना चाहा, लेकिन गेंद ग्लव्स से लगकर पीछे गई। कीपर जितेश शर्मा ने अपने दाईं ओर डाइव लगाकर एक हाथ से कैच पकड़ने की कोशिश की, पर गेंद छिटक गई।

8. राशिद ने चौका जड़कर गुजरात को दिलाई जीत

16वें ओवर में सुयश शर्मा की गेंद पर राशिद खान ने मैच खत्म कर दिया। ऑफ-स्टंप के बाहर गिरी फ्लैट लेंथ डिलीवरी पर राशिद ने क्रीज से बाहर निकलकर 'फ्लैट-बैट' शॉट खेला। गेंद एक टप्पे के बाद एक्स्ट्रा कवर बाउंड्री के पार चली गई। गुजरात की जीत के बाद विराट कोहली ने मुस्कुराते हुए राशिद खान को गले लगा लिया।

मुंह ढककर लड़ोगे तो सीधा रेड कार्ड! फीफा विश्वकप से पहले खिलाड़ियों की चालाकी पर कसा शिकंजा

स्पोर्ट्स डेस्क। फुटबॉल में खिलाड़ियों के व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए नया बड़ा नियम लागू किया गया है। अब बहस के दौरान मुंह ढककर बात करने पर खिलाड़ी को लाल कार्ड मिल सकता है। साथ ही विश्व कप 2026 के लिए पीले कार्ड नियमों में भी बदलाव किया गया है।

विनीसियस जूनियर विवाद के बाद फैसला

यह नियम उस विवाद के बाद सामने आया है जिसमें रियल मैड्रिड स्टार विनीसियस जूनियर ने फरवरी में चैंपियंस लीग मैच के दौरान बेनफिका के जियानलुका प्रेस्टियानी पर मुंह ढककर नस्लीय

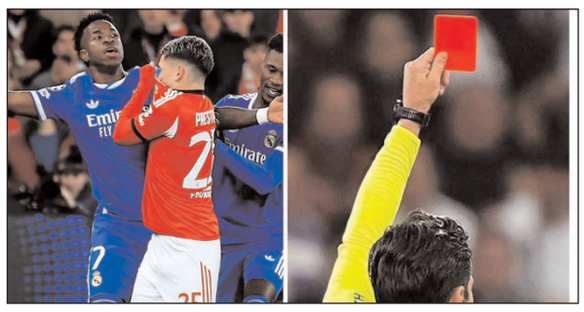

टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। इस मामले में यूईएफए ने प्रेस्टियानी पर छह मैचों का प्रतिबंध लगाया था। यदि वह अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में चुने जाते हैं, तो शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं।

मैदान छोड़ने पर भी मिलेगी सजा

आईएफएबी ने एक और बड़ा नियम लागू किया है। अब यदि कोई खिलाड़ी रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ता है, तो उसे भी लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम टीम अधिकारियों पर भी लागू होगा। यानी अगर कोई कोच या अधिकारी खिलाड़ियों को मैदान छोड़ने के लिए उकसाता है, तो उस पर भी कार्रवाई होगी।

पीले कार्ड नियम में भी बदलाव

फीफा ने विश्व कप 2026 के लिए पीले कार्ड नियमों में भी राहत दी है। अब ग्रुप स्टेज में मिला एक पीला कार्ड नॉकआउट दौर में लागू नहीं होगा। इसी तरह क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने पर भी पुराने कार्ड रिकॉर्ड से हट जाएंगे। फीफा ने कहा, 'फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन किया है, जिसके अनुसार ग्रुप चरण में मिला एक पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसी तरह क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों के लिए मान्य नहीं होगा।'

खिलाड़ियों और फैंस को फायदा

इन बदलावों का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि स्टार खिलाड़ी छोटे उल्लंघनों के कारण बड़े मैचों से बाहर नहीं होंगे। साथ ही मैदान पर अनुशासन भी बेहतर होगा। विश्व कप 2026 में अब सिर्फ गोल ही नहीं, नियमों की सख्ती भी चर्चा का विषय बनने वाली है।

छत्तीसगढ़ अंतरराष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट की तैयारी, दुनियाभर के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

रायपुर। नवा रायपुर में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स विकसित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष अंकित आनंद और छत्तीसगढ़ सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य सचिव रजत कुमार भी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ को वैश्विक गोल्फ मानचित्र पर स्थापित करने के लिए जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट का आयोजन करने की तैयारी चल रही है। यह आयोजन नवा रायपुर में किया जाएगा। इसके लिए गुरुवार को वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के सीईओ अमन दीप जोहल ने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सुबोध कुमार डूक्षसह से मुलाकात की और आयोजन के लेकर विस्तृत चर्चा की।

इसके अलावा बैठक में नवा रायपुर में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स विकसित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष अंकित आनंद और छत्तीसगढ़ सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य सचिव रजत कुमार भी मौजूद थे।

गोल्फ इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर जोर छत्तीसगढ़ में गोल्फ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास करने पर जोर दिया गया। अमन दीप जोहल ने अधिकारियों को प्रोपीजीटीआई कैलेंडर के विस्तार और गोल्फ से पर्यटनए आतिथ्य और रोजगार के क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले अवसरों की जानकारी दी। राज्य को गोल्फ और इससे जुड़ी आर्थिक गतिविधियों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने, स्पोर्ट्स टूरिज्म को बढ़ावा देने और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। राज्य में नए गोल्फ कोर्स अधोसंरचना के विकास से रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा। वा रायपुर के फेयरवे गोल्फ एंड लैक रिज़ॉर्ट में छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे एडिशन का आयोजन रायपुर में होने जा रहा है, जिसमें देश विदेश के 126 खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट **PGTI** का 2026 सीजन का पहला टूर्नामेंट होगा, जो 3 से 6 फरवरी तक नया रायपुर के शानदार फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में खेला जाएगा।

लक्ष्य सेन को मिली ली शि फेंग से करारी शिकस्त, भारत थॉमस कप फाइनल में चीन से 0-1 से पीछे

स्पोर्ट्स डेस्क। लक्ष्य सेन दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शि फेंग से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार गए। भारत बुधवार को थॉमस कप फाइनल्स के ग्रुप ए के आखिरी मुकाबले में चीन से 0-1 से पीछे हो गया।

लक्ष्य सेन दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शि फेंग से कड़ा संघर्ष करने के बावजूद तीन गेम तक चले मुकाबले में हार गए जिससे भारत बुधवार को थॉमस कप फाइनल्स के ग्रुप ए के आखिरी मुकाबले में चीन से 0-1 से पीछे है। लक्ष्य ने पिछले महीने 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप' में ली को हराया था। वह बुधवार को निर्णायक गेम में उसी फॉर्म को दोहरा नहीं पाए और 19-21, 21-8, 12-21 से पराजित हो गए।

अब भारत दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के जरिए मुकाबले को बराबर करने की कोशिश करेगा। इनका सामना दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग से

होगा। बाकी मैचों में आयुष शेट्टी का सामना वेंग होंग यांग से होगा जबकि हरिहरन अमसकारुनन और एमआर अर्जुन की युगल जोड़ी ही जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी से भिड़ेगी।

लक्ष्य 3-6 से पीछे चल रहे थे, उन्होंने क्रॉस कोर्ट स्लाइस और तेज स्मैश के बाद ली के शॉट के बाहर जाने से वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर लिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच जोरदार स्मैश लगे जिसके बाद ली ने 10-8 की बढ़त बना ली और ब्रेक तक बढ़त बनाए रखी। ब्रेक के बाद लक्ष्य ने 14-13 से आगे निकल गए। लेकिन मुकाबला बेहद कड़ा हो गया और दोनों खिलाड़ी 19-19 पर बराबरी पर आ गए। इसके बाद ली ने लगातार दो निर्णायक अंक हासिल करते हुए पहला गेम जीत लिया।

दूसरा गेम पूरी तरह से एकतरफा रहा। ली की तरफ से हुई कई गलतियों का फायदा उठाते हुए लक्ष्य तेजी से 5-0 और फिर 11-2 से आगे निकल गए। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दबाव बनाए रखा और मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक खींच ले गए। तीसरे गेम में लक्ष्य 1-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर लिया। हालांकि ब्रेक के समय तक ली ने लक्ष्य की गलतियों से बढ़त बना ली थी।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों में क्यू खेलों को शामिल करने की मांग, सौरव कोठारी ने उठाया मुद्दा

स्पोर्ट्स डेस्क। कई बार के विश्व चैंपियन सौरव कोठारी ने 2030 में अहमदाबाद में होने वाले क्यू खेलों (स्नूकर और बिलियर्ड्स) को शामिल करने जोरदार वकालत की।

कई बार के विश्व चैंपियन कोठारी ने कहा, बिलियर्ड्स और स्नूकर में कई पदक जीतने का शानदार मौका है। हमने एशियाई खेलों में कई स्वर्ण पदक जीते हैं। अगर हमें राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किया जाता है तो भारत की पदक तालिका के लिए यह बहुत अच्छा होगा। हमें साई, मंत्रालय और मीडिया से सहयोग की जरूरत है। विश्व और एशियाई चैंपियनों के इतने समृद्ध इतिहास वाले इस खेल का बहु-महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना स्थान पाने का पूरा हक है। कोठारी अपने पिता के निधन से अभी तक उबर नहीं सके हैं और उनका कहना है कि वह अब भी अंदरूनी द्वंद्व से जूझ रहे हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि एक अजीब खालीपन ने उन्हें लगातार दो विश्व खिताब जीतने के सफर में दबाव से।

भारत का क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से होगा सामना, जानें दोनों टीमों का कैसा रहा है सफर

स्पोर्ट्स डेस्क। बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप फाइनल में गुरुवार को खेला गया नॉकआउउट ड्रॉ होने के बाद क्वार्टर फाइनल में भारतीय पुरुष टीम का सामना चीनी ताइपे से होगा।

भारत थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा। भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है।

दोनों टीमों की स्थिति

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया।

टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुआई दुनिया के नंबर छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं।

उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं।

भारत ने 2022 में जीता था खिताब

युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप की अपनी बेहतरीन लय को यहां भी बरकरार रखा है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

बिजनेस न्यूज

आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 तक महंगा : 5Kg वाले सिलेंडर के दाम भी 261 बढ़े; मई में होने वाले 4 बड़े बदलाव

नई दिल्ली। कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 मई से 994 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3071.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 261 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब 'छोटू' सिलेंडर की रिफिल कीमत 813.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं।

मई में होने वाले 4 बड़े बदलाव

1. कॉमर्शियल सिलेंडर 994 रुपए तक महंगा

बदलाव: तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ?994 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत ?3071.50 हो गई है। पहले ये 2078.50 में मिल रहा था।

असर: कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है।

सोना आज 2,836 बढ़कर 1.50 लाख पर पहुंचा: इस साल कीमत में 16 हजार का इजाफा

नई दिल्ली। सोना-चांदी के दाम में आज 1 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,836 रुपए बढ़कर 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, एक किलो चांदी 9,348 रुपए बढ़कर 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.30 लाख रुपए प्रति किलो थी।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

राजनांदगांव में बनेगा अत्याधुनिक क्रिकेट अकादमी व खेल मैदान, मुख्यमंत्री के निर्णय का जताया आभार

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में राजनांदगांव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रिपरिषद द्वारा आधुनिक खेल मैदान एवं अत्याधुनिक क्रिकेट अकादमी के निर्माण हेतु सूर्यमुखी देवी राजगामी संपदा के नाम दर्ज भूमि में से 5 एकड़ भूमि रियायती दर पर आबंटित करने के महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं मिलेंगी और क्रिकेट के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग पर मंत्री परिषद की बैठक में त्वरित निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से राजनांदगांव में अत्याधुनिक स्टेडियम का निर्माण संभव होगा, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही, आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण यहां की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर मंच मिलेगा। इस दौरान विधायक धरम लाल कौशिक, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायकललित चंद्राकर, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, राजनांदगांव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव योगेश बागड़ी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

डी.एल.एड मुख्य/अवसर परीक्षा 2026 की समय-सारणी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डी.एल.एड) प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष मुख्य/अवसर परीक्षा वर्ष 2026 की समय- सारणी जारी कर दी गई है। जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रथम वर्ष की सैद्धांतिक परीक्षाएं 28 मई 2026 से 12 जून 2026 तक तथा द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 29 मई 2026 से 10 जून 2026 तक आयोजित की जाएंगी। सभी परीक्षाएं प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों में संपन्न होंगी।

प्रथम वर्ष के अंतर्गत बाल विकास एवं सीखना, ज्ञान-पाठ्यचर्या व शिक्षण शास्त्र, शैक्षिक तकनीकी, हिन्दी भाषा शिक्षण स्तर-1, अंग्रेजी भाषा प्रोफिसिएंसी, गणित व गणित शिक्षण, पर्यावरण व पर्यावरण शिक्षण तथा शालेय संस्कृति, प्रबंधन एवं विकास विषयों की परीक्षाएं निर्धारित तिथियों में आयोजित होंगी। वहीं द्वितीय वर्ष में आधुनिक विश्व के संदर्भ में भारतीय शिक्षा, सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में संज्ञान एवं अधिगम, विविधता एवं समावेशी शिक्षा, हिन्दी भाषा शिक्षण स्तर-2, अंग्रेजी एवं संस्कृत शिक्षण तथा गणित/विज्ञान/सामाजिक विज्ञान शिक्षण विषय शामिल हैं।

परीक्षा दिवस पर परीक्षार्थियों को प्रात: 9 बजे तक परीक्षा केंद्र में उपस्थित होकर स्थान ग्रहण करना अनिवार्य होगा। उत्तरपुस्तिका का वितरण 9:05 बजे, प्रश्नपत्र अध्ययन हेतु 9:10 बजे तथा उत्तर लेखन कार्य 9:15 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 12:15 बजे तक चलेगा।

मण्डल द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षाकाल के दौरान यदि शासन द्वारा कोई अवकाश अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है, तब भी परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। आवश्यकता होने पर परीक्षा तिथि एवं समय में बिना पूर्व सूचना परिवर्तन करने का अधिकार मण्डल के पास सुरक्षित रहेगा। विस्तृत समय- सारणी मण्डल की आधिकारिक वेबसाइट **www.cgbse.nic.in** पर उपलब्ध है।

न्याय को सरल बनाने सर्वोच्च न्यायालय की पहल पर चलाया जा रहा समाधान समारोह 2026

रायपुर। न्याय को आमजन के लिए सरल, सुलभ और त्वरित बनाने की दिशा में भारत का सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 की अभिनव पहल शुरू की गई है। यह राष्ट्रीय स्तर का अभियान 21 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो चुका है, जिसका समापन 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत के आयोजन के साथ होगा। इस विशेष लोक अदालत का आयोजन सर्वोच्च न्यायालय परिसर में किया जाएगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। यह पहल न्यायिक प्रक्रिया को अधिक मानवीय, समयबद्ध और कम खर्चीला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।छत्तीसगढ़ में इस अभियान के अंतर्गत निर्देशानुसार सुलह बैठकों का आयोजन राज्य, जिला एवं जनपद स्तर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित मध्यस्थता केंद्रों में किया जा रहा है। इन केंद्रों में प्रशिक्षित मध्यस्थ एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी पक्षकारों को आपसी सहमति से समाधान तक पहुंचने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। समाधान समारोह के तहत सुलह-वार्ताएं 21 अप्रैल 2026 से ही प्रारंभ हो चुकी हैं, जिनमें पक्षकार व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से भी भाग ले सकते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या को कम करना तथा विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए वैकल्पिक और सरल मंच उपलब्ध कराना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं संबंधित सभी पक्षों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया है। छत्तीसगढ़ के नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने मामलों का समाधान आपसी सहमति से कराने का प्रयास करें। समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) में अपने सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों को शामिल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट **https://www.sci.gov.in?** पर उपलब्ध गूगल फॉर्म को 31 मई 2026 तक भरना होगा। यह प्रक्रिया सरल एवं सहज है, जिससे कोई भी इच्छुक पक्षकार अपने मामले को इस विशेष पहल में शामिल कर सकता है। इस संबंध में किसी सहायता एवं जानकारी हेतु वन स्टाप सेंटर (वार रूम) इन-चार्ज समाधान समारोह (स्पेशल लोक अदालत) के दूरभाष नं. 011-23115662, 011-23116464 अथवा सीआरपी निदेशक के दूरभाष नं. 011- 23115652, 011- 23116465 पर अथवा वन स्टॉप सेंटर कक्ष क्रमांक 806 एवं 808, बी ब्लॉक, अतिरिक्त भवन परिसर, सर्वोच्च न्यायालय दूरभाष नं. 011- 23116464 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

हर घर नल से जलः नवरंगपुर में खत्म हुआ जल संकट, बदली ग्रामीणों की जिंदगी

रायपुर। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत रबेली का आश्रित ग्राम नवरंगपुर, जो जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित है, अब जल संकट से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से गांव के हर घर तक नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। लगभग 463 की आबादी वाले इस गांव में पहले पेयजल के लिए केवल पांच हैंडपंप और दो बोरवेल ही सहारा थे। गर्मी के दिनों में भूजल स्तर गिरने से हैंडपंप सूख जाते थे और ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। इस समस्या से विशेष रूप से महिलाओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

ग्राम की निवासी बुधवारा बाई यादव ने बताया कि पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, कई बार पड़ोसियों से पानी मांगना पड़ता था। अब घर में ही नल से पानी मिलने लगा है, जिससे हमारी सबसे बड़ी परेशानी खत्म हो गई है। इसी तरह कुमारी सती ने कहा कि अब हमें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता। नल कनेक्शन मिलने से बहुत राहत मिली है और समय भी बच रहा है। जल जीवन मिशन के तहत गांव के सभी घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं और नियमित जल आपूर्ति से ग्रामीणों का दैनिक जीवन सरल और सुगम हो गया है।

132 केव्ही उपकेन्द्र छुरीखुर्द में 40 एमव्हीए का अतिरिक्त ट्रांसफार्मर उर्जीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधाओं में उत्तरोत्तर वृद्धि करते हुये ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्यमान उपकेन्द्रों में स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। इसी क्रम में 132 केव्ही उपकेन्द्र कोरबा जिले के छुरीखुर्द में 4 करोड़ 31 लाख रूपये की लागत से 40 एम.व्ही.ए. क्षमता का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। विद्युत कंपनी के विशेष प्रयासों से विद्युत विकास के लिए स्वीकृत इस कार्य से उपकेन्द्र के परिधि में आने वाले उपभोक्ताओं को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा अब उन्हे उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा निर्बाध विद्युत की आपूर्ति होगी।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आर.के.शुक्ला ने स्वीच का बटन ऑन कर नये ट्रांसफार्मर के माध्यम से विद्युत सप्लाई प्रारंभ की तथा उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्युत विभाग उपभोक्ताओं की सुविधाओं में निरंतर वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कडी में आज इस उपकेन्द्र में अतिरिक्त 40 एमव्हीए क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर को उर्जीकृत किया गया है, जिसका लाभ इस क्षेत्र के 50 गांवों के उपभोक्ताओं को मिलेगा।

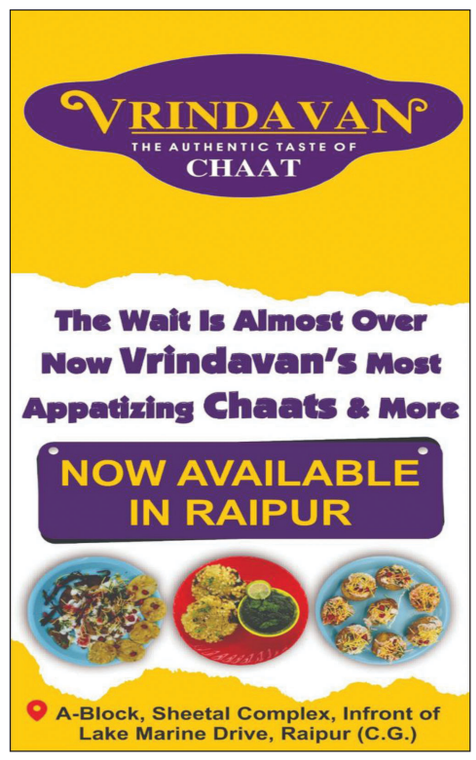

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684